RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 122, सोमवार, 15 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विश्व रक्तदाता दिवस पर घोड़ासहन में रक्तदान, स्वास्थ्य सेवा और जन-जागरूकता का संगम 03

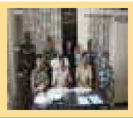

फेसबुक से शुरू हुई मोहब्बत, म्यांमार से बिहार पहुंची युवती, रक्सौल बॉर्डर पर खुला पूरा राज 04

सोशल मीडिया के दबाव पर छलका कृति खरबंदा का दर्द, बोलीं-खुद... 07

संक्षिप्त समाचार

अच्छी खबर

'सूरज' की ताकत से दिल्ली में दौड़ रही है दिल्ली मेट्रो

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप जानते है कि जब आप दिल्ली मेट्रो में सफर कर रहे होते हैं, तो उस ट्रेन को चलाने और स्टेशन को रोशन करने वाली लगभग एक-तिहाई बिजली सीधे सूरज की रोशनी से आ रही होती है। डीएमआरसी सोलर पावर का इस्तेमाल सिर्फ लाइट, पंखे, एसी आदि चलाने के लिए ही नहीं, बल्कि बड़े स्पेशल ऑपरेशन में भी कर

रही है। इससे पैसों की बचत होने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिल रही है। प्रदूषण से जूझती दिल्ली को साफ हवा देने वाली मेट्रो सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से पर्यावरण के साथ-साथ पैसों की बचत करने में भी मददगार बन रही है। फेज-4 के तहत बनने वाले सभी 59 एलिवेटेड स्टेशनों की छतों को पावर प्लांट में बदलने जा रहा है। ये स्टेशन खुद अपनी बिजली जेनरेट करेंगे। डीएमआरसी ने फेज-4 के पूरा होने तक अपनी सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता को 60 मेगावॉट से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा है। अभी मेट्रो नेटवर्क में कुल 132 जगहों पर सोलर एनर्जी प्लांट के जरिए बिजली बन रही है।

ओमान तट के पास एक और हादसा

- **14 भारतीयों को ले जा रही नाव डूबी, अमेरिकी ने किया रेस्क्यू**

मस्कट (एजेंसी)। ओमान के पास रविवार को एक बड़े समुद्री बचाव अभियान में 14 भारतीयों को बचाया गया है। 14 भारतीय क्रू वाली एक नाव विराट-1 ओमान में रास अल हद से करीब 80 नॉटिकल मील दूर डूब गई। हादसे के बाद अमेरिकी नौसेना के पी-8 समुद्री गश्ती विमान मदद के लिए आगे आया। विमान ने नाव के पास लाइफ राफ्ट

गिराया और हवा से निगरानी बनाए रखी। क्रू सदस्य डूबती नाव से लाइफ राफ्ट के जरिए सफलता के साथ बाहर निकल गए। नाव डूबने के बाद सभी 14 नाविक सुरक्षित रूप से राफ्ट पर चढ़ गए। अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के अनुसार, समुद्र में इमरजेंसी की स्थिति पैदा होने के बाद नाव पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों ने सफलतापूर्वक जहाज छोड़ा और लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। मदद के लिए अलर्ट मिलने के बाद भारतीय नौसेना के जहाजों को मदद के लिए भेजा गया है। एएनआई के मुताबिक, भारतीय नौसेना के जहाजों को डूबते हुए हादसे की जगह भेजा गया है।

100 फीसदी इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

- **गडकरी बोले-6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी**

नागपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस

कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100 फीसदी इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गडकरी के मुताबिक, टोयोटा, सुजुकी और हुंडई सहित अन्य कंपनियां अगले 6 हफ्तों के भीतर अपने ऐसे नए मॉडल्स भारतीय बाजार में लॉन्च करने जा रही हैं जो पूरी तरह इथेनॉल पर चलेंगे।

- *परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ एडवांस्ड हीटर बनाने की तैयारी में इसरो*

चांद पर अब 200 दिनों तक काम कर सकेंगे अपने लैंडर

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत ने अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास ऐतिहासिक साफ्ट लैंडिंग की थी, लेकिन विक्रम लैंडर केवल एक चंद्र-दिवस यानी पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर ही काम कर सका था। भारत अब ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जिससे भविष्य के लूनर लैंडर चांद पर 14 दिनों के बजाय 200 दिनों तक काम कर सकेंगे। चंद्रमा पर दिन और रात पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होती है। चांद की लंबी और बेहद ठंडी रात में लैंडर को बचना बड़ी चुनौती रही है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एडवांस्ड आर्टिफिशियल हीटर बनाने का प्रयास कर रहा है।

जिसकी मदद से भविष्य के लूनर लैंडर्स को चंद्रमा पर रात के समय -200 डिग्री सेल्सियस के बेहद कम तापमान में भी 100 से 200 दिनों तक चालू रखा जा सकेगा। नारायणन ने कहा कि चंद्रमा पर रात में भयंकर ठंड होती है और सूर्य की रोशनी न होने से सोलर पैनल काम नहीं करते। इसलिए ऐसे एडवांस्ड आर्टिफिशियल हीटिंग सिस्टम विकसित करने की कोशिश की जा रही है जो चांद पर रात के दौरान स्पेसक्राफ्ट के पार्ट्स को सुरक्षित रख सकें। इस प्रयास में सफलता मिली तो स्पेसक्राफ्ट चंद्रमा पर कई दिन-रात को झेल सकेंगे। मिशन की अवधि लंबी होने से विज्ञानी ज़्यादा समय तक प्रयोग कर सकेंगे और वैज्ञानिक डाटा जुटा सकेंगे। भारत चंद्रयान-3 मिशन के जरिए अंतरिक्ष में उतरा है।

आम लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं राहुल गांधी

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता को जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश में भारत और उसके लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं। सीतारमण ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कोविड-19 वैश्विक महामारी और पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हैं। देश के सामने ऐसा कोई संकट नहीं है,

जैसा राहुल गांधी पेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बीजेपी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बेंगलुरु में 'विकसित भारत संकल्प समावेश' का आयोजन किया गया है। इसमें पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जब भी बोलते हैं, तो हर चीज की केवल आलोचना करते हैं और भारत के लोगों की उपलब्धियों को कमतर आंकते हैं। उन्हें यह उपलब्धि लगती है।

देहरादून में बजरंग दल के नेता की हत्या के बाद बवाल

- तनाव के बीच पुलिस छावनी बन गया बैरागीवाला गांव

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित विकासनगर में खेत में पानी लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी जंग में तब्दील हो गया। कुछ युवकों ने गांव में इकट्ठा होकर विनोद नाम के युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विनोद की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। विनोद बजरंग दल के नेता थे। लहूलुहान हालत में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दो संप्रदाय का होने के कारण पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। पूरा मामला सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव का है।

- **हाईवे पर उतर आए सैकड़ों लोग-** पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें विनोद कुमार नाम के युवक को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश देखा गया। मुख्य हाईवे पर भी सैकड़ों लोगों ने इकट्ठा होकर अपना विरोध दर्ज कराया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ रात में ही मौके पर मुस्तैद रहे।

सेना के 'ड्रेस कोड' में बड़ा बदलाव

- *आर्मी ने अपनाई बंदी जैकेट, छोड़ी ब्रिटिश परंपरा*
- *टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर भी नियम सख्त*

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने के लिए अपनी ड्रेस से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इसके तहत औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली बंदी जैकेट पहनने की मंजूरी दी गई है, सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटाया गया है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। इन बदलावों की जानकारी हाल ही में जारी 174

पेज के मैनुअल आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026 में दी गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ऐसा मैनुअल आखिरी बार आठ साल पहले जारी किया गया था।

देश की भावनाओं का रखा गया है ध्यान

रिपोर्ट के अनुसार, मैनुअल में बताया गया, देश की भावनाओं और बदलती संप्रभु पहचान को ध्यान में रखते हुए, कई सोच-समझकर किए गए बदलाव शामिल किए गए हैं। कुल मिलाकर, ये बदलाव औपनिवेशिक दौर की बची-खुची निशानियों की प्रगतिशील समीक्षा को दर्शाते हैं, साथ ही भारतीय सेना की गरिमा, कार्यक्षमता और स्थायी परंपराओं को भी बनाए रखते हैं। बदलावों के तहत, सेना ने सभी रैंक के सैनिकों के लिए 3बी नाम की एक नई विंटर ड्रेस (सर्दियों की वर्दी) शुरू की है। इसमें अंगोला शर्ट के साथ बैटल जैकेट और बेरेट शामिल है। यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में कर्मचारियों के लुक और ग्रूमिंग से जुड़े कई तरह के स्टैंडर्ड शामिल हैं।

महिलाओं की ड्रेस में भी बदलाव

नियमों के तहत महिला अधिकारी सादे रंगों की साड़ियां या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और टखने तक की लंबाई वाली सीधी पैंट पहन सकती हैं। इनमें बिना आस्तीन वाले कुर्ते और पलाजो या सिगरेट पैंट जैसे कैजुअल लोअर पहनने पर साफ तौर पर रोक लगाई गई है। मेस ड्रेस नंबर 5 और नंबर 6 से पाउच बेल्ट हटा दी गई है। आसानी और पहचान के लिए सेना में हर यूनिफॉर्म को एक खास ड्रेस नंबर दिया जाता है। आर्मर्ड कॉर्प्स, मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री, रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी में ऐसी बेल्ट अभी भी मान्य है।

भारत अब दुनिया को दे रहा 'समाधान'

- फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

कहा-दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे, मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

नीस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के नीस शहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने गले मिल कर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत इनोवोट्स कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख इनोवेशन स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड एक साथ आएंगे।

वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास- फ्रांस के प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' के लॉन्च कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में अलग-अलग देश एक दूसरे के साथ व्यापार करते हैं और अलग-अलग

देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी होती है लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो साझा रुचि के साथ-साथ साझा विजन से भी ड्राइव होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता कुछ ऐसा ही है। इस रिश्ते भी जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य, साझा विजन भी है और इसी रिश्ते की नींव पर बीते वर्षों में हमने काम किया है।

भारत का नौजवान मानवता के हित में समाधान ढूंढ रहा

प्रधानमंत्री मोदी में कहा कि इस रिवॉल्यूशन में भारत का नौजवान एक नए माइंड सेट के साथ मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा है। भारत इनोवोट्स हमारे नौजवानों के विश्व-स्तरीय समाधान को ग्लोबल स्टेज पर लाने का ही माध्यम ही है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि ये पहल उसी दिशा में एक कदम है। 'भारत इनोवेट्स' का ये मंच- भारत के टैलेंट के लिए है।

बैन लगाते रहे अमरीका-यूरोप रूस ने कर दिया तगड़ा 'खेला'

- भारत की मदद से पुतिन के देश ने खेल दिया मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी कच्चे तेल पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) ने कड़े बैन लगाए हैं। वहीं इन कड़े प्रतिबंधों और एम्बार्गो (आयात प्रतिबंध) के बावजूद एक बड़ा लूपहोल सामने आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है कि प्रतिबंध लगाने वाले देशों को सीधे तेल न बेच पाने

के बाद भी, रूसी तेल अन्य देशों की रिफाइनरियों के जरिए प्रोसेस होकर घूम-फिरकर वापस उन्हीं देशों के बाजारों में पहुंच रहा है। मई 2026 में भारत, तुर्की, ब्रूनेई और जॉर्जिया जैसे देशों ने रूसी कच्चे तेल को रिफाइन कर बड़े पैमाने पर उन देशों को पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं, जिन्होंने खुद रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं।

7052 करोड़ की बिक्री

रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित चार देशों की रिफाइनरियों ने मई 2026 में कुल 641 मिलियन यूरो (करीब 7052 करोड़ रुपये) के तेल उत्पादों का निर्यात सीधे तौर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को किया है। सबसे दिलचस्प बात है कि 214 मिलियन यूरो के प्रोडक्ट पर नजर है।

बंगाल में ढह रहा टीएमसी का 'सिंडिकेट राज'

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में केवल शीर्ष स्तर पर ही उथल-पुथल नहीं मची है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दशकों पुराना किला ढहता नजर आ रहा है। दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर रेलवे स्टेशन के पास कभी टीएमसी के नीले-सफेद रंग में रंगा ऑटो रिक्शा यूनियन का दफ्तर अब पूरी तरह बदल चुका है। वहां अब भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) का भगवा बैनर लहरा रहा है।

यह बदलाव केवल झंडे का नहीं, बल्कि बंगाल की जमीनी राजनीति पर हावी टीएमसी के सिंडिकेट राज के अंत की शुरुआत है। सोनारपुर के ऑटो चालक अब राहत की सांस ले रहे हैं। एक अंग्रेजी अखबार के साथ बातचीत में उनका कहना है कि अब उन्हें स्थानीय टीएमसी नेताओं को 120 रुपये प्रति वाहन की जबरन मासिक वसूली (कट मनी) नहीं देनी पड़ रही है। इसी इलाके से महज 2 किलोमीटर दूर टीएमसी के कद्दावर नेता अभिषेक बनर्जी पर जनता का गुस्सा फूटा था, जहां एक भीड़ ने उन पर अंडे और पत्थर बरसाए थे। स्थानीय लोग बताते हैं कि कल तक जो

टीएमसी नेता और गुंडे धौंस जमाते थे, वे अब लापता हैं। वार्ड नंबर 13 की एक सब्जी विक्रेता रूपाली मंडल ने कहा कि टीएमसी काउंसलर ने दुकान चलाने के एवज में उनसे 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। मना करने पर उनकी दुकान उजाड़ दी गई। रूपाली कहती हैं, चुनावी नतीजों के बाद से वह काउंसलर फरार है और उसका घर बंद है। मैं अब अपने घर लौट आई हूं और भाजपा नेताओं से मदद मांग रही हूं। इस इलाके में अवैध रूप से सरकारी जमीनों पर हो रहे निर्माण अब रुक गए हैं और पीड़ित लोग पुलिस में शिकायत दर्ज कराने लगे हैं।

सहमे बाहुबली, घरों पर गरज रहे हैं बुलडोजर

अवैध ऊंची इमारतों पर चला बुलडोजर

कोलकाता का बेलीघाटा इलाका कभी टीएमसी का मजबूत गढ़ हुआ करता था, लेकिन अब वहां सन्नाटा पसरा है और टीएमसी के सभी दफ्तर बंद हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद कोलकाता नगर निगम ने इस इलाके में धड़ल्ले से बने अवैध प्रमोटिंग और ऊंची इमारतों पर हथौड़ा चलाना शुरू कर दिया है। इस सिंडिकेट का सबसे बड़ा सरगना और टीएमसी का बाहुबली ठेकेदार राजू नस्कर अब सलाखों के पीछे है। एक पूर्व टैक्सी ड्राइवर से करोड़ों की संपत्ति का मालिक बने राजू नस्कर के खिलाफ अब स्थानीय लोग खुलकर जमीन हड़पने की शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार में लिप्त ऐसे किसी भी बाहुबली को बख्शा नहीं जाएगा। मेयर फिरहाद हकीम के इस्तीफे के बाद प्रशासक ऐक्टिव हैं।

बाढ़ आश्रय गृह से चल रहा था 'रेत माफिया' का खेल

कोलकाता से करीब 100 किलोमीटर दूर पूर्व बर्धमान के जमालपुर ब्लॉक से जो तस्वीरें सामने आई हैं वे हैरान करने वाली हैं। यहां ब्लॉक आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष तबरक अली मंडल और उनकी पंचायत प्रधान पत्नी आरिफा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों सरकारी कम्युनिटी सेंटर और बाढ़ आश्रय गृह पर कब्जा कर वहां से दामोदर नदी में अवैध रेत खनन का सिंडिकेट चला रहे थे। पुलिस ने इन सरकारी भवनों से ग्रामीणों को मिलने वाला खाद, बीज, कीटनाशक और मनरेगा के जॉब कार्ड जब्त किए हैं, जिन्हें ब्लैक मार्केट में बेचा जा रहा था। स्थानीय ग्रामीण शेख मुर्तजा ने बताया, यहां से हर दिन 150 से 200 ट्रक अवैध रेत ले जाते थे, लेकिन डर के मारे कोई कुछ नहीं बोलता था। अब जब यह सिंडिकेट जेल में है, तो ग्रामीणों का डर गायब हो चुका है और वे बांग्लार बाड़ी जैसी सरकारी आवास योजनाओं में लिए गए कट मनी की शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि सिंडिकेट और गुंडागर्दी का दौर अब खत्म हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

चौकीदार पर मनमानी, शराब कांड में फंसाने का आरोप, वैशाली के कटहरा थाने में ग्रामीणों ने किया हंगामा

हाजीपुर। वैशाली के कटहरा थाना क्षेत्र के रसूलपुर फतह गांव में एक चौकीदार पर मनमानी, दबंगई और लोगों को शराब कांड के मामलों में फंसाने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने चौकीदार आशुतोष पासवान उर्फ राजकुमार पासवान के खिलाफ थाने में हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि चौकीदार आशुतोष पासवान लोगों को जबरदस्ती शराब कांड के मामलों में फंसाता है। वे बताते हैं कि चौकीदार पहले पैसे की मांग करता है और पैसे न देने पर उन्हें शराब से जुड़े मामलों में नामजद कर देता है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि चौकीदार खुद शराब का सेवन करता है। वह लोगों को डराता-धमकाता है, उनके साथ मारपीट करता है और उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देता है। महादलित बस्ती के कुछ मजदूरों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि शाम के समय ताड़ी पीने पर चौकीदार उनके साथ मारपीट करता है और उन्हें जबरदस्ती मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। ग्रामीणों ने चौकीदार के इस व्यवहार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। संबंधित चौकीदार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चौकीदार को कथित तौर पर कार में बैठकर शराब का सेवन करते हुए देखा जा रहा है।

259.2 लीटर विदेशी शराब बरामद, डीएम के निर्देश पर कार्रवाई, नेटवर्क से जुड़े पहलुओं की जांच जारी

हाजीपुर। वैशाली में शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्पाद विभाग लगातार विशेष छापेमारी अभियान चला रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के निर्देशन में शुक्रवार रात सदर थाना क्षेत्र के बाकरपुर गांव में बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान 259.2 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। उत्पाद विभाग को बाकरपुर गांव में अवैध रूप से विदेशी शराब के भंडारण और तस्करी से संबंधित गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। तलाशी के दौरान विभिन्न ब्रांडों की कुल 259.2 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। छापेमारी के दौरान संबंधित स्थलों की गहन जांच की गई और शराब के भंडारण एवं आपूर्ति नेटवर्क से जुड़े संभावित पहलुओं की पड़ताल की गई। उत्पाद विभाग की टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इसके वितरण तथा तस्करी में कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी वैशाली ने कहा कि जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए उत्पाद विभाग, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। डीएम ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित छापेमारी, वाहन जांच, संदिग्ध स्थलों की निगरानी और सूचना संग्रहण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। प्रशासन की सतत कार्रवाई के कारण अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी दबाव बना है और भविष्य में भी ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे।

पत्नी की हत्या मामले में पति ने किया सरेंडर, 5 जून की रात हुई थी घटना, परिवार के साथ मिलकर जलाया था शव

हाजीपुर। वैशाली में 37 वर्षीय रीता देवी की हत्या और शव जलाने के मामले में उनके पति नंद किशोर राय उर्फ पप्पू राय ने हाजीपुर न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। यह घटना 5 जून की रात को हुई थी, जब पति ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर रीता देवी की हत्या कर दी और उनके शव को जला दिया था। शव के बचे हुए अवशेषों को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। रीता देवी राजापाकड़ थाना क्षेत्र के बखरी बराई गांव निवासी जगत राय की बेटी थी। उनकी शादी नंद किशोर राय से 2007 में हुई थी। शादी के दो साल बाद, नंद किशोर राय ने रीता देवी को छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद

रीता देवी ने अपने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में मृतका के पक्ष में फैसला आया था, जिसके बाद रीता देवी अपने ससुराल लौट गई थीं। कुछ महीनों तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन फिर पति द्वारा उनकी हत्या कर शव को जला दिया गया। घटना की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद, महिसौर थाना के पुलिस अधिकारी लगातार मृतका के पति पर दबाव बना रहे थे। इसी दबाव के चलते पति ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अब भी इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। महिसौर थाना अध्यक्ष चांदनी सांवरिया ने बताया कि महिला की हत्या और शव जलाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति और ससुराल वालों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। उन्होंने पुष्टि की कि इसी क्रम में पति ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

21.52 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, सराय पुलिस की छापेमारी में मोबाइल भी बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 21.520 ग्राम अवैध हेरोईन बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी के रूप में हुई है। वैशाली पुलिस अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सघन वाहन जांच और छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में सराय थाना को 12 जून 2026 को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी हेरोईन की खरीद-बिक्री में शामिल था और सराय थानांतर्गत बैलहट्टा में ग्राहक का इंतजार कर रहा था। पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर थानाध्यक्ष सराय ने दंडाधिकारी के साथ मिलकर सूचना का सत्यापन किया और छापेमारी की योजना बनाई। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी, पुत्र रामप्रसाद सिंह, निवासी अंजनी दरवेशपुर, थाना-सराय, जिला-वैशाली को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 21.520 ग्राम हेरोईन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया है कि वह मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे बेचने वाला था। इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी बजरंग कुमार सिंह उर्फ बजरंगी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ सराय थाना में पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या 216/22 दर्ज है।

मुजफ्फरपुर के 22 केंद्रों पर सिपाही भर्ती एग्जाम संपन्न

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में सिपाही भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। पहली पाली की परीक्षा खत्म हो गई है। कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रथम पाली की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे तक एंट्री दी गई। इसके बाद किसी को एंट्री नहीं दी गई। वहीं, दूसरी पाली के परीक्षार्थियों का रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि किसी भी अभ्यर्थी को मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, कैलकुलेटर या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन फ्रिस्किंग की गई। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा परीक्षा की सतत और प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है, जहां से पूरे आयोजन पर नजर रखी जाएगी। डीएम और एसएसपी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने, कदाचार पर तत्काल कार्रवाई करने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत नियंत्रण कक्ष को देने का निर्देश दिया है।

फुलवारीशरीफ में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत

परिवार ने गर्म पानी डालकर हत्या का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित मझौली गांव में रविवार को एक 40 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर गर्म पानी डालकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मझौली निवासी टोनी राम (40 वर्ष), पिता प्रदीप राम के रूप में हुई है। मृतक के भाई राकेश राम ने बताया कि टोनी राम रविवार सुबह करीब 8 बजे घर से निकले थे। लगभग 11 बजे उन्हें सूचना मिली कि मंझौली मुसहरी के पास टोनी राम का शव पड़ा है।

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग: घटनास्थल पर पहुंचने के बाद परिवार के सदस्यों ने टोनी राम को मृत पाया। राकेश राम ने आरोप लगाया कि उनके भाई की गांव के कुछ लोगों ने गर्म पानी डालकर हत्या की है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया गया है।

पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार: फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शहबाज आलम ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा गर्म पानी डालकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों से आवेदन प्राप्त होने के बाद लगाए गए आरोपों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

पटना में शराब माफिया जितेंद्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली थाना पटना क्षेत्र से शराब माफिया जितेंद्र कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सुबह गश्ती के दौरान हुई, जब सुबह गश्त पर निकले एएसआई अरविंद निराला की नजर जितेंद्र कुमार पर पड़ी। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया।

पहले भी जा चुका है जेल: जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार जितेंद्र का अपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पहले भी शराब तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है और फिलहाल जमानत पर बाहर आया था। उसके खिलाफ पूर्व में कोतवाली थाने में दो मामले दर्ज बताए जा रहे हैं, जिनमें वह बेल पर था। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट करने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए जक्कनपुर थाने को हैंडओवर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, 3 मार्च 2026 को मीठापुर सब्जी मंडी स्थित एक घर में छापेमारी के दौरान सब्जी के कैरेट में छिपाकर रखी गई शराब की खेप बरामद की गई थी। मौके से

वरीय अधिकारियों को पुलिसवालों की करता था शिकायत

जितेंद्र के नाम से जुड़े कुछ दस्तावेज और चेक भी मिले थे। जक्कनपुर थाने की पुलिस छानबीन के दौरान उसकी संलिप्तता सामने आई थी। उसी समय से इसकी खोजबीन हो रही थी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आ रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया है कि कोतवाली थाने के कुछ कर्मी भी उसके संपर्क में थे, जिनके इशारे पर वह एक अन्य पुलिसकर्मी को बदनाम करने के इरादे से उसके खिलाफ लगातार वरीय अधिकारियों के पास आवेदन दे रहा था। हालांकि, उसे अपनी गलती का एहसास गिरफ्तारी के बाद हुआ।

मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों का हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना के पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर बिहार पुलिस मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों ने जमकर बवाल कर दिया। हालात को काबू करने के लिए पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किया गया और आँसू गैस के गोले छोड़े गए। बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी ट्रेन के विलंब होने की सूचना से नाराज अभ्यर्थियों ने पहले स्टेशन परिसर में प्रदर्शन किया और बाद में रेलवे ट्रैक पर उतरकर रेल परिचालन ठप कर दिया। कुछ ही समय में स्थिति नियंत्रण के बाहर हो गई है और स्टेशन परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। छात्रों के हंगामे की सूचना मिलते ही रेल आईजी जितेंद्र राणा समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया गया। हालांकि इसके बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र मानने को तैयार नहीं हुए और छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई।

पुलिस के एक्शन के बाद हुए शांत

पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ी। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का वातावरण रहा। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, उसके बाद हालात काबू में किया जा सका।

छात्रों के द्वारा किए गए पथराव में रेल आईजी जितेंद्र राणा घायल हो गए। साथ ही कई पुलिसकर्मी भी घायल हैं। घटना की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि हंगामा करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। ट्रेन का परिचालन सामान्य हो गया है। भर्ती परीक्षा को लेकर सभी स्टेशनों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती की जाएगी।

खान सर की कोचिंग पर पुलिस ने चिपकाया नोटिस कोचिंग के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती

पूछताछ के लिए बार-बार बुलाने पर भी नहीं पहुंचे 3 स्टाफ

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस ने खान सर की कोचिंग पर नोटिस चिपकाया है। कदमकुंआ थाने की पुलिस दल बल के साथ रविवार दोपहर नोटिस चिपकाने पहुंची थी। यह नोटिस खान ग्लोबल स्टडीज के तीन स्टाफ अंकित कुमार पांडेय, अजीत कुमार और कन्हैया कुमार सिंह के खिलाफ जांच में सहयोग नहीं करने की वजह से जारी किया गया है।

नोटिस में बताया है कि थाना कांड संख्या 410/26 में थाने पर पूछताछ के लिए उपस्थित होना अनिवार्य है। कई बार मौखिक, लिखित और व्हाट्सएप के माध्यम से पूछताछ में सहयोग करने के लिए कहा गया। इसके बावजूद भी तीनों स्टाफ की ओर से जांच में नहीं किया जा रहा है।

नोटिस के माध्यम से रविवार शाम 4 बजे तक थाने पर पहुंचकर सहयोग करने का निर्देश दिया गया, लेकिन तीनों स्टाफ अब तक थाने नहीं पहुंचे हैं। वहीं खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर एहतियातन आज सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कौन हैं तीनों स्टाफ जिनको पुलिस ने उपस्थित होने के लिए कहा: कन्हैया सिंह की ओर से ज्ञान बिंदु एकेडमी के रौशन आनंद, प्रिंस (मृतक), अभिषेक और अन्य के खिलाफ खान ग्लोबल स्टडीज की ओर से कदमकुआं थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कन्हैया सिंह खान ग्लोबल स्टडीज में मैनजमेंट का हिस्सा है। वहीं अंकित कुमार पांडेय और अजीत कुमार खान ग्लोबल स्टडीज के ही कर्मी हैं।

19 सार्वजनिक शौचालयों का संचालन करेगा सुलभ इंटरनेशनल, हर महीने 44000 भुगतान करेगी निगम

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम द्वारा निर्मित 19 आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का संचालन, मैनेजमेंट और रख-रखाव अब सुलभ इंटरनेशनल करेगी। पटना नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया है। इस मौके पर मेयर सीता साहू, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी और सशक्त स्थायी समिति के सदस्य मौजूद थे।

हर महीने 44,000 भुगतान करेगा निगम: इस समझौते के तहत आम नागरिकों को इन सार्वजनिक शौचालयों की सुविधा पूरी तरह फ्री में उपलब्ध कराई जाएगी। नागरिकों से किसी प्रकार का उपयोग शुल्क नहीं लिया जाएगा। पटना नगर निगम और सुलभ इंटरनेशनल के बीच यह समझौता आगामी तीन वर्षों की अवधि के लिए किया गया है। समझौते के मुताबिक, निगम द्वारा प्रत्येक शौचालय के संचालन और रख-रखाव के लिए सुलभ इंटरनेशनल को प्रति माह 44,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त संबंधित शौचालयों का बिजली बिल भी नगर निगम द्वारा ही दिया जाएगा।

सुबह 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक होगा संचालित: इन शौचालयों के संचालन का समय भी निर्धारित किया गया है। मार्च से सितंबर तक सभी शौचालय प्रतिदिन सुबह 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक संचालित होंगे, जबकि अक्टूबर से फरवरी तक इनका संचालन सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक किया जाएगा। वहीं, यात्रियों और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पटना जंक्शन

तीन साल के लिए एमओयू साइन

गोलंबर के निकट स्थित सार्वजनिक शौचालय का संचालन 24 घंटे और सातों दिन (24×7) किया जाएगा।

स्वच्छ पटना और स्वस्थ पटना का लक्ष्य होगा मजबूत- मेयर: इस अवसर पर मेयर सीता साहू ने कहा कि, 'स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का विस्तार पटना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सुलभ इंटरनेशनल जैसे अनुभवी संगठन के सहयोग से शहर में सार्वजनिक शौचालयों के बेहतर संचालन एवं रख-रखाव को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे स्वच्छ पटना और स्वस्थ पटना के लक्ष्य को और मजबूती मिलेगी।' वहीं, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी ने कहा कि, 'यह पहल न केवल नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करेगी, बल्कि शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।'

पालीगंज में हथियार के साथ अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज में पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक कट्टा और 10 कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रवीश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को पालीगंज थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि थाना क्षेत्र के सरसी गांव में एक व्यक्ति अपने घर पर अवैध हथियार और कई जिंदा कारतूस रखे हुए है।

इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की। मौके से रवीश कुमार को गिरफ्तार किया गया। हथियार और कारतूस उसके घर में छिपाकर रखे गए थे।

फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार

अपराधी से पूछताछ कर रही है, ताकि उसके मंसूबों और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध के रोकथाम को लेकर लगातार पुलिस कार्रवाई कर रही है। शनिवार की शाम को पुलिस को सूचना मिली कि सरसी गांव में एक अपराधी अपने पास अवैध हथियार और जिंदा कारतूस रखे हुए है। जिसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम बनाकर छापेमारी की गई। मौके से अपराधी के कमरे से एक देसी कट्टा 10 जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पटना यूनिवर्सिटी में 50% से अधिक सीटों पर हुआ नामांकन

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन हुआ है। पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर चौथे दिन 139 छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया गया। इसके साथ ही पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। विश्वविद्यालय ने कहा है कि रेगुलर कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें फुल गई है। रिक्त सीटों के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट 15 जून को जारी की जाएगी। चौथे दिन पटना साइंस कॉलेज में 35, पटना कॉलेज में 24, वाणिज्य महाविद्यालय में 17, बीएन कॉलेज में 38 और मगध महिला कॉलेज में 25 विद्यार्थियों का नामांकन लिया गया। विश्वविद्यालय में स्नातक कोर्स रेगुलर कोर्स में कुल 3600 सीटें निर्धारित है। इन तीनों में 3600 में से 2017 सीटों पर नामांकन हो चुका है।

दूसरी ओर पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक स्तरीय कोर्स में प्रवेश परीक्षा 22 जून से शुरू होगी। परीक्षा का आयोजन मगध महिला कॉलेज केंद्र पर होगा। पहले दिन 22 जून को दो पालियों में परीक्षा होगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक बीएससी पर्यावरण विज्ञान की प्रवेश परीक्षा होगी। वहीं, दूसरी पाली दोपहर दो से शाम चार बजे तक बीएससी जैव प्रौद्योगिकी के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। 23 जून को बीसीए और बीबीए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। बीसीए की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और बीबीए की परीक्षा दोपहर दो से शाम चार बजे तक होगी। 24 जून को बीबीए-एलएलबी और बीएफए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा निर्धारित की गई है।

पीएम के 12 साल को कांग्रेस ने बताया 'विषकाल'

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने 12 साल पूरे कर लिए हैं। इसे भाजपा ऐतिहासिक उपलब्धि बता रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमलावर है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने मोदी सरकार की नाकामियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि, 'पीएम मोदी के अमृतकाल से लोग परेशान हैं। इसके साथ ही बिहार कांग्रेस ने मोदी सरकार की नाकामियों के 12 साल को 'विष काल' बताते हुए एक वीडियो भी जारी किया है।

मोदी सरकार अपने वादों को भूल गई- राजेश राम: राजेश राम ने आगे कहा कि, 'विपक्ष का दायित्व जनता को सच्चाई बताना है। बेरोजगारी चरम पर है और रोजगार के वादे पूरे नहीं हुए हैं।' उन्होंने NEET समेत पेपर लीक मामलों पर केंद्र सरकार को घेरा। महंगाई, पेट्रोल-डीजल कीमतों और उज्ज्वला योजना को लेकर भी सवाल उठाए।

सरकार का विजन लोगों को परेशान करना है- राजेश राम: बिहार पीसीसी चीफ राजेश राम की मांग है कि, 'महिला आरक्षण बिल को आज ही लागू करें। सभी प्रतियोगिता परीक्षा में हो रहे अन्याय से युवा परेशान है। चुनाव के समय में नौकरी का वादा करते हैं, चुनाव जीतने के बाद वादा भूल जाते हैं।

पाटलिपुत्र जंक्शन पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर के कहा कि, 'नॉर्थ बिहार के सभी छात्रों को साउथ बिहार बुलाते हैं। साउथ बिहार वालों को नॉर्थ बिहार में भेज रहे हैं। सरकार का विजन है, लोगों को परेशान करना, छात्रों को परेशान करना।'

वर्तमान सरकार पर हमला बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आम व्यापारियों को कभी नोटबंदी तो कभी जीएसटी थोपकर तो कभी सोना नहीं खरीदने की अपील करके नरेंद्र मोदी सरकार ने बर्बाद करने का काम किया है। छोटे व्यापारियों के लिए यह सरकार तानाशाही रवैया अपनाती है लेकिन बड़े

नाकामियों का वीडियो जारी किया, पाटलिपुत्र स्टेशन बवाल पर बोले राजेश राम-अभ्यर्थियों को परेशान करना सरकार का मकसद

व्यापारिक घरानों में अपने मित्र अदाणी और अंबानी सहित अन्य के लिए नियमों को ताक पर रखकर मदद करती है।

शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर इस सरकार ने स्किल इंडिया के तहत 40 करोड़ लोगों को कौशल योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया लेकिन 2024 तक स्नातकों में 17.31% बेरोजगारी दर दर्ज हुई जो इस महत्वाकांक्षी योजना को भी फिसड्डी साबित करती है। नई शिक्षा नीति को 2020 में यह सरकार लांच करती है जो अब तक आधी अधूरी और असमंजस में घिरी नजर आती है। लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि 12 वर्षों के शासन काल में 89 प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक इस सरकार में हुए जिसमें अकेले मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में ही चार बार पेपर लीक हुए। सीबीएसई के स्कूली परीक्षा में गड़बड़ी की देश के इतिहास में पहली घटना भी इसी मोदी सरकार में सुनने और देखने को देशवासियों को मिली।

हाईकोर्ट के आदेश पर चला बुलडोजर, सीओ की मौजूदगी में वर्षों से अतिक्रमित सरकारी जमीन हुई अतिक्रमण मुक्त

बीएनएम@ हरसिद्धि/मोतिहारी।

उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में रविवार को हरसिद्धि प्रखंड के पानापुर मलाही टोला में वर्षों से अतिक्रमित सरकारी भूमि को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान सरकारी जमीन पर बने चार मकानों को हटाया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही।

जानकारी के अनुसार, मौजा जोगिया स्थित पानापुर मलाही टोला में दरोगा यादव की निजी जमीन के आगे तथा सड़क के बीच स्थित आम गैरमजरुआ सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने वर्षों पूर्व अवैध रूप से मकान बनाकर कब्जा कर लिया था और वहीं रह रहे थे। इस अतिक्रमण को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन था। दरोगा यादव द्वारा दायर सीडब्ल्यूजेसी संख्या 1844/2021 पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने संबंधित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है वह दरोगा यादव की निजी जमीन और मुख्य सड़क के बीच स्थित सरकारी भूमि थी, जिस पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से घर बनाकर कब्जा कर रखा था। न्यायालय के आदेश के बाद प्रशासन ने उक्त भूमि को खाली कराकर सरकारी अभिलेखों के अनुसार अतिक्रमण मुक्त करा दिया।

उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने धर्मेंद्र साहनी, योगेंद्र सहनी, सुरेश सहनी एवं राजेंद्र सहनी द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान सरकारी भूमि पर बने निर्माणों को जेसीबी मशीनों की सहायता से ध्वस्त कर भूमि को खाली कराया गया। कार्रवाई में योगेंद्र सहनी का पक्का मकान भी हटाया गया, जो सरकारी भूमि पर निर्मित बताया गया।

कार्रवाई के दौरान प्रभावित परिवारों एवं कुछ ग्रामीणों ने विरोध जताया। कुछ महिलाओं ने भी प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन अधिकारियों ने समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित रखा और न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कराया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

हरसिद्धि अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि पूरी कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की गई।

अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया के दौरान दंडाधिकारी के रूप में अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार मौजूद रहे। वहीं प्रभारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, शिखा कुमारी, प्रीतम कुमार, अंकित कुमार, शशिभूषण सिंह सहित बड़ी संख्या में अंचल कर्मी एवं पुलिस पदाधिकारी मौके पर तैनात रहे। संग्रामपुर, सुगौली, मलाही तथा केसरिया शक्ति बल सहित आसपास के कई थानों की पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था में लगी रही।

12 घंटे में मोटरसाइकिल चोरी कांड का खुलासा, तीन बाइक बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी।

पूर्वी चम्पारण पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले का महज 12 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। कार्रवाई के दौरान एक विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के निवासी मनीष कुमार सिंह द्वारा 13 जून 2026 को मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। आवेदन के आधार पर पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 256/26 अज्ञात चोरों के विरुद्ध दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पकड़ीदयाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर चोरी हुई मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया। जांच के दौरान दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। इस प्रकार कुल तीन चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी हुई।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया है। जांच में उसका नाम पूर्व में दर्ज कई मोटरसाइकिल चोरी कांडों से भी जुड़ा पाया गया है। उसके विरुद्ध पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 197/2026, 233/2026, 235/2026, 257/2026 तथा 258/2026 में भी संलिप्तता की जानकारी सामने आई है।

इस सफल कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन के नेतृत्व में सह थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रामानंद साह, धीरज कुमार, मुकेश कुमार सिंह, विकास कुमार सिंह तथा पकड़ीदयाल थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर घोड़ासहन में रक्तदान, स्वास्थ्य सेवा और जन-जागरूकता का संगम

बीएनएम@ मोतिहारी।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर घोड़ासहन स्थित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज परिसर में रोटरी क्लब घोड़ासहन, रेड क्रॉस सोसाइटी पूर्वी चम्पारण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, सहयोग शिविर एवं लोक शिकायत जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, जीविका दीदियों, युवाओं तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी पूर्वी चम्पारण के पदेन अध्यक्ष-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शैलेन्द्र भारती ने कहा कि विकसित बिहार के निर्माण के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा सहयोग शिविरों का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना है। रक्तदान शिविर में 50 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 200 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श दिया गया। शिविर में सामान्य रोग, दंत, नेत्र, ईएनटी, शिशु रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में 100 से अधिक जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कॉलेज परिवार ने शैलेन्द्र भारती को उनकी पुस्तक "सुगौली का इतिहास" सहित अन्य पुस्तकों का सेट भेंट कर सम्मानित किया। समापन अवसर पर रोटरी क्लब घोड़ासहन के अध्यक्ष रंजीत अग्रवाल एवं रोटरी क्लब मोतिहारी के अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार ने रक्तदाताओं, चिकित्सकों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए रक्तदान को जीवनदान बताया। उन्होंने समाज के सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

प्राकृतिक खेती अपनाने से घटेगी लागत, बढ़ेगी आय : विधायक

बीएनएम@ पताही।

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में "शारदीय खरीफ महा अभियान सह प्राकृतिक खेती अपनाओ" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे खेती की लागत में कमी आती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार किसानों की समृद्धि तथा कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धति से खेती करनी चाहिए, ताकि कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन, प्राकृतिक खेती की तकनीकों तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सुझावों को भी अधिकारियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुजीत कुमार, लालबाबू सिंह, सतीश झा, जिला परिषद प्रतिनिधि श्यामसुंदर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, अंगद कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना था।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में मजदूरी कर रहे तुरकौलिया के युवक की हादसे में मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ तुरकौलिया। हरियाणा में मजदूरी करने गए तुरकौलिया प्रखंड के एक युवक की दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान असर्फी साह टोला निवासी मैनेजर सोनार के 45 वर्षीय पुत्र सुरेन्द्र साह के रूप में हुई है। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया तथा पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र साह करीब दस दिन पूर्व रोजगार की तलाश में हरियाणा स्थित एक कंपनी में काम करने गए थे। कार्य के दौरान मकान की छत से नीचे उतरते समय उनका पैर फिसल गया, जिससे वे नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद साथ में काम कर रहे मजदूर उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक का पोस्टमार्टम हरियाणा में कराने के बाद शव को एंबुलेंस से उनके पैतृक गांव लाया गया। रविवार को जैसे ही शव घर पहुंचा, परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि सुरेन्द्र साह परिवार के भरण-पोषण के लिए गांव के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी मजदूरी करते थे। उनकी पत्नी एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत हैं। परिवार में तीन पुत्र और एक पुत्री हैं, जिनकी अभी शादी नहीं हुई है। बताया जाता है कि सुरेन्द्र साह अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा पुत्री का विवाह अच्छे परिवार में करने का सपना संजोए हुए थे। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए वे लगातार मेहनत कर रहे थे, लेकिन इस दर्दनाक हादसे ने उनके सपनों को अधूरा छोड़ दिया। घटना के बाद गांव के लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

नहर किनारे 60 लीटर देसी शराब के साथ बाइक जब्त, तस्कर फरार

बीएनएम@ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के लक्ष्मणवा नहर पुल के समीप पलनवा पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 60 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जबकि तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लक्ष्मणवा नहर के पास अवैध शराब की खेप पहुंचने वाली है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान बाइक के पास रखे जूट के बोरे से तीन पॉलिथीन में छिपाकर रखी गई कुल 60 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद शराब एवं मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना लाया गया है। फरार आरोपी की पहचान के लिए वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच की जा रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस छापेमारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने अज्ञात तस्कर के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

एलएनडी कॉलेज में विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी।

शहर के एल.एन.डी. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा रेड क्रॉस परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को किया गया। इस शिविर का नेतृत्व एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह ने किया। अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने रक्तदान के महत्व पर विशेष जोर दिया और कहा, "आपका एक यूनिट रक्तदान किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है। यह केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।" शिविर में कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस सामाजिक सरोकार का हिस्सा बने। समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने स्वयं आगे बढ़कर रक्तदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, "मानवता की सेवा के लिए रक्तदान सबसे उत्तम और सर्वोच्च कार्य है। हमारा थोड़ा सा रक्त किसी की पूरी जिंदगी बचा सकता है।" इसके साथ ही उन्होंने रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित रक्तदान करने से व्यक्ति कई गंभीर बीमारियों से बच सकता है और यह शरीर को स्वस्थ तथा ऊर्जावान बनाए रखने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य ने भी पूरे उत्साह के साथ शिविर में भाग लेकर रक्तदान किया। रक्तदान के बाद उन्होंने एक प्रसिद्ध और प्रेरणादायक सुविचार साझा करते हुए कहा "आपका दिया हुआ रक्त किसी के लिए जीवन का नया सवेरा ला सकता है, इसलिए 'रक्तदान महादान' के इस संकल्प को हमेशा याद रखें। महाविद्यालय प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने भी खुद रक्तदान किया साथ ही उन्होंने रक्तदान से स्वास्थ्य पर होने वाले फायदे को बताया और छात्रों से इस पुनीत अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया। लिपिक अखिलेश कुमार ने भी रक्तदान कर अपनी जिम्मेदारी निभाई और लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।युवाओं के प्रेरणास्रोत बनते हुए कॉलेज के अन्य सक्रिय छात्रों—शुभम कुमार, कुणाल कुमार, सदरे आलम, आकाश कुमार और अभिषेक कुमार सहित अनेक छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में हिस्सा लिया और अपना रक्त दान किया। इस सफल आयोजन ने न केवल कॉलेज बल्कि पूरे मोतिहारी शहर में सामाजिक समरसता और स्वास्थ्य जागरूकता का एक नया संदेश प्रसारित किया है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर शिक्षक देव कुमार बनर्जी ने 14वीं बार किया रक्तदान, हुए सम्मानित

बीएनएम@ पताही।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर मोतिहारी स्थित रेड क्रॉस भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में पताही प्रखंड के पदुमकेर स्थित विद्यापति पब्लिक स्कूल के शिक्षक देव कुमार बनर्जी ने 14वीं बार स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर का आयोजन भारत स्काउट एवं गाइड, पूर्वी चंपारण द्वारा स्वर्गीय सी.पी. झा की स्मृति में किया गया। समाजसेवा के कार्यों में लगातार सक्रिय रहने वाले शिक्षक देव कुमार बनर्जी ने रक्तदान के माध्यम से एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। उनके इस सराहनीय योगदान की उपस्थित लोगों ने प्रशंसा करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

रक्तदान के उपरांत भारत स्काउट एवं गाइड, पूर्वी चंपारण की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर देव कुमार बनर्जी ने कहा कि "रक्तदान महादान है। मेरा लक्ष्य 25 बार रक्तदान कर अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है।"

उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। देव कुमार बनर्जी का यह मानवीय कार्य समाज में सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना को मजबूत करने वाला है। विश्व रक्तदाता दिवस पर उनके 14वें रक्तदान ने क्षेत्र के युवाओं को सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश दिया है।

दिल्लिया बाजार चोरी कांड का खुलासा, चोरी का सामान और नकदी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी/बीजधरी।

बीजधरी थाना क्षेत्र के दिल्लिया बाजार स्थित एक जनरल स्टोर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने चोरी की गई नकदी और सामान बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पूर्वी चंपारण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13 जून 2026 को पवन कुमार, पिता हरेंद्र प्रसाद, निवासी बीजधरी के लिखित आवेदन पर बीजधरी थाना कांड संख्या 77/26 दर्ज किया गया था। मामले के अनुसंधान के दौरान तकनीकी सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने संदिग्ध आरोपी आलोक कुमार के घर पर छापेमारी की, जहां से चोरी का सामान और नकद राशि बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आलोक कुमार, पिता मुसाफिर राय, निवासी बीजधरी थाना क्षेत्र, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके घर से 20,240 रुपये नकद, विभिन्न कंपनियों के सिगरेट पैकेट, तीन स्मार्ट वॉच, पान मसाला तथा अन्य सामान बरामद किया है। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी कांड का सफल उद्भेदन किया गया है। उन्होंने कहा कि बरामद सामान की पहचान कराई जा रही है तथा आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है। अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने फिल्टर ब्लैक कंपनी के चार डिब्बे सिगरेट, क्लासिक कंपनी के पांच डिब्बे सिगरेट, एडवांस कंपैक्ट कंपनी के चार डिब्बे सिगरेट, एडिशन कंपनी के तीन डिब्बे सिगरेट, दो टी-900 अल्ट्रा स्मार्ट वॉच, एक टी-800 अल्ट्रा स्मार्ट वॉच, विमल एवं कमल पसंद पान मसाला, एक्शन पान मसाला तथा विभिन्न ब्रांड के तुलसी उत्पाद बरामद किए हैं।

इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सीमा कुमारी, पु.अ.नि. मुन्ना कुमार सिंह, सिपाही पूजन कुमार नट, सिपाही मनोज कुमार तथा चौकीदार नवल किशोर शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले में अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है।

महात्मा गांधी सभागार के भूतल पर पुस्तकालय एवं पठन कक्ष का निर्माण कार्य प्रारंभ

बीएनएम@ मोतिहारी।

पूर्वी चम्पारण जिले के शैक्षणिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से महात्मा गांधी सभागार के भूतल पर आधुनिक पुस्तकालय एवं पठन कक्ष के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जा रहा है। यह पहल जिले के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, साहित्यप्रेमियों तथा आम नागरिकों को एक समृद्ध एवं सुलभ अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। महात्मा गांधी सभागार, जो लंबे समय से जिले की सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है, अब ज्ञान एवं अध्ययन का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। भूतल पर प्रस्तावित पुस्तकालय एवं पठन कक्ष की स्थिति इसे सभी नागरिकों के लिए सहज रूप से सुलभ बनाएगी, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग के लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। इस पुस्तकालय में विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, शोधार्थियों तथा साहित्य और ज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले नागरिकों के लिए अध्ययन की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शांत एवं अनुकूल वातावरण में अध्ययन की यह व्यवस्था युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करेगी। जिला प्रशासन का मानना है कि यह पुस्तकालय न केवल अध्ययन और शोध को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि जिले में ज्ञान, साहित्य और बौद्धिक विमर्श की संस्कृति को भी सशक्त बनाएगा। यह पहल पूर्वी चम्पारण को एक शिक्षित, जागरूक और ज्ञान-समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

फेसबुक से शुरू हुई मोहब्बत, म्यांमार से बिहार पहुंची युवती, रक्सौल बॉर्डर पर खुला पूरा राज

बीएनएम@ रक्सौल।

सोशल मीडिया पर शुरू हुई एक प्रेम कहानी आठ वर्षों बाद भारत-नेपाल सीमा पर जांच एजेंसियों के लिए एक अहम मामला बन गई। म्यांमार की एक युवती अपने भारतीय पति के साथ नेपाल के रास्ते थाईलैंड जाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन रक्सौल बॉर्डर पर नियमित जांच के दौरान दोनों को रोक लिया गया। दस्तावेजों की जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। मामला भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल का है, जहां शनिवार शाम सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा जांच के दौरान एक युवक और एक विदेशी महिला को रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया, लेकिन दस्तावेजों की जांच के दौरान कई सवाल खड़े हो गए। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद ने हरैया थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 13 जून की शाम नेपाल की ओर जा रहे एक युवक और एक महिला को एसएसबी जवानों ने जांच के लिए रोका था। युवक ने अपनी पहचान सीतामढ़ी जिले के रघुनाथपुर निवासी मोहम्मद सद्दाम मंसूरी (27) के रूप में बताई, जबकि महिला को अपनी पत्नी अंजूम खातून बताया। हालांकि पूछताछ के दौरान सुरक्षा कर्मियों को संदेह हुआ। महिला के मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों की जांच में म्यांमार का पासपोर्ट मिलने के बाद मामले का नया पहलू सामने आया। बाद में महिला की पहचान म्यांमार के यांगून निवासी 23 वर्षीय बूमा देवी के रूप में हुई। **फेसबुक पर हुई थी दोस्ती** पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि दोनों की पहचान

वर्ष 2018 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। बताया गया कि सद्दाम मंसूरी ने "सोनू बाबू" नाम से प्रोफाइल बनाई थी, जबकि युवती "अनुष्का बसनेत" नाम की फेसबुक आईडी का इस्तेमाल करती थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। जांच में यह भी सामने आया कि युवती ने वर्ष 2022 में पासपोर्ट बनवाया और बाद में थाईलैंड के फुकेट शहर में एक रेस्टोरेंट में काम करने लगी। इस दौरान दोनों के बीच लगातार संपर्क बना रहा। बाद में दोनों ने विवाह की योजना बनाई और युवती ने भारत आने के लिए आवश्यक वीजा प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार 17 जनवरी 2026 को युवती मुंबई एयरपोर्ट पहुंची, जहां सद्दाम उसे लेने गया था। इसके बाद दोनों कुछ समय सूरत में रहे और फिर युवक उसे अपने गांव रघुनाथपुर लेकर आया।

जांच के घेरे में पहचान दस्तावेज पूछताछ में दोनों ने विवाह करने की बात स्वीकार की है, लेकिन जांच एजेंसियां अब विवाह से संबंधित दस्तावेजों और कानूनी प्रक्रियाओं की जांच कर रही हैं। मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू महिला के नाम से बनाए गए भारतीय पहचान दस्तावेजों को लेकर सामने आया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये दस्तावेज किस प्रक्रिया के तहत बने, उनके लिए कौन-कौन से प्रमाण प्रस्तुत किए गए तथा सत्यापन की प्रक्रिया कैसे पूरी हुई। नेपाल के रास्ते थाईलैंड जाने की थी तैयारी प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने नेपाल जाने का कारण एक पारिवारिक कार्यक्रम बताया था, लेकिन बाद की जांच में अधिकारियों को जानकारी मिली कि दोनों नेपाल के रास्ते थाईलैंड जाने की तैयारी में थे। अधिकारियों के अनुसार दोनों यात्रा से जुड़े आवश्यक दस्तावेजों और उद्देश्य के बारे में स्पष्ट जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उन्हें विस्तृत पूछताछ के लिए इमिग्रेशन अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। **कई बिंदुओं पर जांच जारी** जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विवाह की कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई थी या नहीं। इसके अलावा महिला के नाम से बने पहचान दस्तावेजों की वैधता, विदेशी नागरिक के रूप में भारत में उसके निवास की स्थिति, यात्रा दस्तावेजों की वैधता तथा संबंधित नियमों के पालन की भी जांच की जा रही है। हरैया थाना प्रभारी किशन कुमार पासवान ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय कर तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी।

नव मनोनीत विधान परिषद सदस्य शिवरानी प्रजापति का रामनगर में भव्य स्वागत

बीएनएम@ बेतिया/रामनगर। नव मनोनीत विधान परिषद सदस्य शिवरानी प्रजापति के रामनगर आगमन पर जदयू कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। उनके स्वागत में विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं बैंड-बाजे के साथ उनका अभिनंदन किया। रामनगर स्थित बैकुंठवा माई स्थान मंदिर में जदयू प्रखंड अध्यक्ष संजय मिश्रा, जदयू नेता अजय कुशवाहा, अजित गुप्ता तथा सांसद प्रतिनिधि प्रेम चंद्र सिंह की उपस्थिति में उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद शिवरानी प्रजापति ने बैकुंठवा देवी माता की पूजा-अर्चना की और अम्बेडकर चौक पहुंचकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सभापति प्रतिनिधि नागेंद्र साह, खटौरी पंचायत की मुखिया स्मिता चौरसिया, पार्षद पिंटू गुप्ता, अजय कुशवाहा एवं बीस सूत्री अध्यक्ष जनक साह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नागेंद्र साह ने उन्हें एमएलसी मनोनीत होने पर बधाई देते हुए शॉल ओढ़ाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। भगत सिंह चौक स्थित रामरेखा पुल पर जदयू नेता तबरेज आलम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शिवरानी प्रजापति का अनोखे अंदाज में स्वागत किया। इस दौरान उन्हें लड्डुओं से तौला गया तथा भगत सिंह के स्मारक पर माल्यार्पण किया गया। तबरेज आलम ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि शिवरानी प्रजापति एक साधारण परिवार से आने वाली जमीनी स्तर की महिला नेता हैं, जिन्होंने पिछले दो दशकों से पार्टी कार्यकर्ता के रूप में समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया है। सांसद प्रतिनिधि विश्वनाथ पटेल ने कहा कि शिवरानी प्रजापति पूर्व में जिला परिषद सदस्य रह चुकी हैं और उन्होंने गरीबों, दलितों तथा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है। उनकी सेवा भावना, जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें विधान परिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। अपने संबोधन में शिवरानी प्रजापति ने सभी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देना होगा। कार्यक्रम में सूफेद खान, तारिक तबरेज, आनंद सिंह, विनय श्रीवास्तव, दिनेश मुखिया, मुलायम यादव, कुंदन यादव, चुन्नू गिरि, मनीष पांडेय, हीरा साह, जावेद अख्तर, नसीम अख्तर सहित सैकड़ों जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रेन के आगे कूदकर छात्र ने दी जान, जांच में जुटी रेल पुलिस

बीएनएम@ बेतिया। बेतिया-चनपटिया रेलखंड पर कथौलिया रेलवे ढाला के समीप एक 17 वर्षीय छात्र की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चनपटिया के अहीरटोला निवासी लक्ष्मण यादव के 17 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार के रूप में हुई है। रेल पुलिस के सब-इंस्पेक्टर शशिभूषण सिंह ने बताया कि डाउन मेल एक्सप्रेस के चनपटिया स्टेशन से खुलने के बाद इलेक्ट्रिक पोल संख्या 224/9 के समीप पहुंचने पर युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बेतिया भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार संतोष कुमार अपनी बाइक से चारा खरीदने के लिए घर से निकला था। कुछ देर बाद उन्हें ट्रेन से कटकर उसकी मौत होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही परिजन रेलवे ट्रैक पर पहुंचे, जहां युवक का शव पड़ा हुआ था। परिजनों ने बताया कि उसका मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया था तथा शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। रेल पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी। यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव में है, तो परिवार, मित्रों या किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से तुरंत सहायता लेना महत्वपूर्ण है।

रोटरी सैटेलाइट क्लब द्वारा जेएलएनएम कॉलेज में मुफ्त स्वास्थ्य व विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

बीएनएम@ घोड़ासहन। स्थानीय जे.एल.एन.एम. कॉलेज परिसर में रविवार को रोटरी सैटेलाइट क्लब मोतिहारी घोड़ासहन के तत्वावधान में एक भव्य 'मुफ्त स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं विशाल रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) श्री अभिषेक कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कॉलेज परिसर में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया गया, जिसके तहत मुख्य अतिथि एवं क्लब के पदाधिकारियों द्वारा पौधे लगाए गए। शिविर में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों मरीजों के स्वास्थ्य की मुफ्त जाँच की गई। चिकित्सा सेवा को सुचारू रूप से चलाने के लिए कॉलेज के चार अलग-अलग कमरों में कुल 11 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तैनात रही। कमरा नंबर 1 में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एल.बी. प्रसाद एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा जायसवाल, कमरा नंबर 2 में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार व जनरल फिजिशियन डॉ. रत्नेश कुमार, कमरा नंबर 3 में जनरल फिजिशियन एवं सर्जन डॉ. निदेश कुमार चौधरी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश कुमार व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रम्भा पाण्डेय, तथा कमरा नंबर 4 में जनरल फिजिशियन डॉ. दिव्यम दीप, दंत एवं मुख्य रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग अमर और जनरल फिजिशियन सह हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कुमार ने मरीजों का गहन परीक्षण कर उचित परामर्श दिया। जाँच के बाद जरूरतमंद मरीजों के बीच निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य जाँच के साथ-साथ आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 25 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि डीएसपी अभिषेक कुमार ने रोटरी क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और ऐसे शिविरों के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा लाभ मिल पाता है। इस मौके पर रोटरी सैटेलाइट क्लब मोतिहारी घोड़ासहन के तमाम सदस्य, कॉलेज प्रशासन के कर्मी और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नाबालिग अपहरण व दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार, दो घंटे में पीड़िता बरामद

बीएनएम@बेतिया। नगर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी डाक बंगला रोड निवासी एक व्यक्ति की नाबालिग पुत्री के अपहरण मामले में बेतिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना के महज दो घंटे के भीतर कार्रवाई कर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, 11 जून 2026 को करीब तीन बजे नगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया गया है। पीड़िता के पिता के आवेदन पर नगर थाना कांड संख्या 343/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पश्चिम चंपारण के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जॉनी जॉर्ज (36 वर्ष), निवासी क्रिश्चियन क्वार्टर, कालीबाग थाना क्षेत्र, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता को आरोपी के घर के किचन से बरामद किया। पूछताछ के दौरान पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने भी दुष्कर्म करने की बात स्वीकार की। जांच के दौरान आरोपी के मोबाइल फोन में पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो भी पाए गए। पुलिस ने पीड़िता एवं आरोपी दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया है। साथ ही घटनास्थल से बेडशीट, चादर तथा अन्य आवश्यक साक्ष्यों को जब्त कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। मामले में आरोपी के मोबाइल फोन, एक बेडशीट तथा दोनों के अंडरगारमेंट को साक्ष्य के रूप में जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, नगर थानाध्यक्ष धीरज कुमार, अपर थानाध्यक्ष नितिन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक दीप्ति कुमारी, प्रदीप कुमार, खुशबू कुमारी, शुभम कुमार तथा नगर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

हाथीखाना मस्जिद परिसर में 30 हाफिज-ए-कुरान का दस्तारबंदी कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ बेतिया।

शहर के हाथीखाना मस्जिद परिसर में 30 हाफिज-ए-कुरान के सम्मान में भव्य दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार, झारखंड और ओडिशा के अमीर-ए-शरीयत मौलाना सैयद अहमद वली फैसल रहमानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ स्थानीय एवं अन्य क्षेत्रों से आए वरिष्ठ उलेमाओं ने हाफिज-ए-कुरान को दस्तार-ए-फजीलत एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान पाक और नात-ए-पाक से हुई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अमीर-ए-शरीयत ने कुरान पाक की विशेषताओं तथा हाफिज-ए-कुरान के उच्च स्थान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चारों ओर नैतिक मूल्यों का ह्रास और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। ऐसे दौर में इन 30 बच्चों ने अपने सीने में कुरान पाक को सुरक्षित कर

अल्लाह की इबादत और दीन की सेवा का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने इसे समाज और मुस्लिम समुदाय के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। मुख्य अतिथि ने हाफिज-ए-कुरान के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चों को दीन और मिल्लत की सेवा के लिए समर्पित किया है, जो आज के समय में अनुकरणीय उदाहरण है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य उलेमाओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इल्म-ए-दीन हासिल करना एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मदरसों में दीनी तालीम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़कर डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षक, वैज्ञानिक तथा सिविल सेवक बनकर समाज की सेवा करनी चाहिए। दस्तारबंदी समारोह के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक, परिजन, मित्र एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। अपने बच्चों को सम्मानित होते देख कई अभिभावकों की आंखें नम हो गईं। पूरे कार्यक्रम के दौरान हाफिज-ए-कुरान के लिए दुआएं और मुबारकबाद के स्वर गूंजते रहे। कार्यक्रम का समापन अमीर-ए-शरीयत की विशेष दुआ के साथ हुआ, जिसमें देश, समाज, मिल्लत की सलामती तथा अमन-चैन और भाईचारे की कामना की गई।

विश्व रक्तदान दिवस पर 47वीं वाहिनी एसएसबी ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

बीएनएम@ रक्सौल।

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 47वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा रक्सौल में सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन मानवता की सेवा और स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का संचालन 47वीं वाहिनी के कमांडेंट संजय पाण्डेय के दिशा-निर्देशन तथा कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. निशि कान्त के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर का आयोजन एसआरपी अस्पताल, रक्सौल एवं स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना तथा रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना था। इस दौरान रक्तदान के महत्व, स्वास्थ्य लाभ तथा सुरक्षित रक्तदान के नियमों की भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में 47वीं वाहिनी के कुल 15 जवानों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले जवानों ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए वे भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी करते रहेंगे। रक्तदान शिविर में डॉ. सुजीत कुमार, स्थानीय एनजीओ के सदस्य, 47वीं वाहिनी के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अस्पताल की टीम ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया। आयोजकों ने आम लोगों से भी नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराने के लिए स्वैच्छिक रक्तदान अत्यंत आवश्यक है। 47वीं वाहिनी के अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सहयोग के लिए एसआरपी अस्पताल और स्थानीय एनजीओ का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन का आश्वासन दिया।

भाई और मां ने मिलकर की शैलेश तिवारी की हत्या, शव जलाकर मिटाए सबूत, दो गिरफ्तार

बीएनएम@बेतिया।

पश्चिम चंपारण जिले के मनुआपुल थाना क्षेत्र के खैरटिया गांव में एक सनसनीखेज हत्या कांड का पुलिस ने खुलासा किया है। शैलेश तिवारी की हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने और साक्ष्य मिटाने के आरोप में पुलिस ने मृतक के भाई सोनू तिवारी और मां नंदवानी देवी को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की निशानदेही पर श्मशान घाट से जले हुए शव के अवशेष भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 13 जून की रात करीब 8:30 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि खैरटिया गांव निवासी शैलेश तिवारी की हत्या कर शव को गायब कर दिया गया है। सूचना मिलते ही मनुआपुल थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि मृतक का घर खुला पड़ा था और परिवार का कोई सदस्य वहां मौजूद नहीं था। मृतक के भाई सोनू तिवारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम से ही परिवार के सदस्य घर छोड़कर फरार हैं। मृतक

की सास के लिखित आवेदन पर मनुआपुल थाना में कांड संख्या 103/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें मनुआपुल और कालीबाग थाना की पुलिस को शामिल किया गया। विशेष टीम ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर मुख्य आरोपित सोनू तिवारी को मझौलिया थाना क्षेत्र के चौलाभार गांव से गिरफ्तार कर लिया। वहीं मृतक की मां नंदवानी देवी को छावनी स्थित प्रजापति हॉल्ट से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस पूछताछ में सोनू तिवारी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर शव को मोटरसाइकिल से ले जाकर जला दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शांति माई स्थित श्मशान घाट से मृतक के जले हुए शव के अवशेष बरामद किए।

घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलित किए गए तथा आवश्यक सामग्री जब्त की गई। पुलिस ने शव को ले जाने में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, मनुआपुल थानाध्यक्ष रवि कुमार, कालीबाग थानाध्यक्ष अजय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक लालजी पंडित, सहायक अवर निरीक्षक सुभाष कुमार तथा मनुआपुल थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 13,167 उपभोक्ताओं को मिलेगा निःशुल्क सोलर पैनल

बीएनएम@मोतिहारी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा संचालित यूएलए (ULA) परियोजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रविवार को किया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लगभग 1,512 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसके तहत राज्य के 2.5 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को लाभान्वित किया जाएगा। इसके अंतर्गत योजना के प्रथम चरण में पूर्वी चंपारण जिले के 13,167 उपभोक्ताओं के घरों पर निःशुल्क सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे, जिससे उन्हें स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा उपलब्ध होगी तथा बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह योजना राज्य में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मोतिहारी स्थित राजेंद्र सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी जिलाधिकारी मुकेश कुमार सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि पंकज कुमार श्रीवास्तव, मोतिहारी

विधायक प्रमोद कुमार, हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान, मधुबन विधायक राणा रणधीर, पीपरा विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव, गोविंदगंज विधायक राजू तिवारी, चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता, कल्याणपुर विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्युत विभाग की ओर से अधीक्षण अभियंता (विद्युत आपूर्ति अंचल, मोतिहारी), राकेश रौशन, अधीक्षण अभियंता (ट्रांसमिशन), वरुण कुमार सहित विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता (EEE), सहायक विद्युत अभियंता (AEE), कनीय विद्युत अभियंता (JEE) तथा लगभग 100 लाभुकों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को बिजली व्यय में राहत प्रदान करेगी तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सीजेरियन डिलीवरी

भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। जन्म अस्पताल में होता है। ये अच्छी खबर नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट से आई है। उधर नई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल जितने बच्चों का जन्म हुआ, उनमें 66.4 प्रतिशत अपने माता-पिता की पहली संतान थे। लगभग 23 प्रतिशत दूसरी और 7.3 फीसदी तीसरी संतानों का जन्म हुआ। सिर्फ 3.5 प्रतिशत मामलों में चौथी या उसके बाद की संतानों का जन्म हुआ। ये आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन के लिए बढ़ी चेतना की तस्दीक करते हैं। एनएफएचएस-6 के मुताबिक भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 रह गया है, जो आदर्श 2.1 से थोड़ा कम है। फिलहाल, यह चिंता का विषय नहीं है, लेकिन टीएफआर और गिरा, तो भविष्य में एक नई चुनौती देश के सामने आ सकती है। बहरहाल, एनएफएचएस-6 से अभी गंभीर चिंता का कारण बन चुका एक रुझान सामने आया है। इसके मुताबिक 2023-24 में प्राइवेट अस्पतालों में 54 प्रतिशत डिलीवरी सीजेरियन हुई। पश्चिम बंगाल में तो ये संख्या 87.7 और तेलंगाना 84 प्रतिशत थी। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत मामलों में सीजेरियन डिलिवरी को स्वीकार्य सीमा में मानता है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के लगभग पूरी तरह बीमा आधारित होने के बावजूद सीजेरियन डिलीवरी की दर 32 प्रतिशत ही है। स्कैंडेनेवियन देशों में तो यह 16 से 19 फीसदी तक है। ये आंकड़े बताते हैं कि सीजेरियन डिलीवरी की जरूरत बहुत कम मामलों में पड़ती है। फिर भी भारत में प्राइवेट अस्पतालों में आधी से ज्यादा डिलीवरी इस तरीके से हो रही है, तो इसके पीछे मुख्य कारण मुनाफा कमाने की व्यापारिक मानसिकता को ही समझा जाएगा। एनएफएचएस-6 से सामने आया है कि भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें बड़ा योगदान सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। अगर ऐसा हो रहा है, तो इसकी पड़ताल की जरूरत है, क्योंकि सरकारी बीमा के तहत अस्पतालों को जो भुगतान होता है, वह करदाताओं की जेब से ही आता है।

अखबार में भोजन या खाद्य सामग्री परोसी तो कारवाई होगी -एफएसएसएआई की चेतावनी का समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स (पैकेजिंग) रेगुलेशन 2018 (सुरक्षा मानक खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम,2006) -अखबार में भोजन या खाद्य सामग्री परोसने का खतराः एफएसएसएआई की चेतावनी, सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौती और सुरक्षित खाद्य संस्कृति की आवश्यकता

खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) नियम, 2018 के अंतर्गत अखबारों अथवा अन्य अनधिकृत सामग्रियों का उपयोग भोजन रखने,लपेटने या परोसने के लिए नहीं किया जा सकता

वैश्विक स्तरपर खाद्य सुरक्षा आज केवल एक स्वास्थ्य संबंधी विषय नहीं रह गई है,बल्कि यह मानव जीवन, आर्थिक विकास,सामाजिक स्थिरता और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुकी है।जिस प्रकार स्वच्छ जल, स्वच्छ वायु और सुरक्षित आवास मनुष्य के जीवन के लिए आवश्यक हैं, उसी प्रकार सुरक्षित भोजन भी स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। यदि भोजन ही दूषित हो जाए तो वह पोषण का स्रोत बनने के बजाय बीमारी का कारण बन जाता है। हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा जारी की गई चेतावनी ने खाद्य सुरक्षा के एक ऐसे पहलू को उजागर किया है जिसे आमतौर पर लोग सामान्य और हानिरहित मान लेते हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अखबार में भोजन पैक करना या परोसना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया सिटी सहित भारत के हर शहर में यह देखते आ रहा हूं क्रि दशकों से भारत के अनेक हिस्सों में समोसा,पकौड़े, वड़ा- पाव, जलेबी, पराठा और अन्य खाद्य पदार्थों को अखबार में लपेटकर देने की परंपरा रही है। कई लोगों को यह सामान्य और सुविधाजनक लग सकता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम है। एफएसएसएआई की चेतावनी केवल एकप्रशासनिक निर्देश नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।यह सलाह उस समय जारी की गई जब मुंबई में एक वड़ा-पाव विक्रेता द्वारा भोजन को अखबार में पैक और परोसने का मामला सामने आया। घटना के बाद एफएसएसएआई के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय और ग्रेटर मुंबई नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खाद्य विक्रेताओं को निर्देश जारी किए। यह घटना केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। भारत के लगभग सभी राज्यों में छोटी- बड़ी खाद्य दुकानों पर आज भी अखबारों का उपयोग भोजन लपेटने के लिए किया जाता है। कई बार ग्राहक भी इसे सामान्य मानकर स्वीकार कर लेते हैं, जबकि इसके पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिमों से अनजान रहते हैं।यही कारण है कि हर वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाकर सरकारों, नियामक संस्थाओं, उद्योगों और नागरिकों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार दूषित भोजन के कारण दुनिया भर में करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं और लाखों लोगों की मृत्यु तक हो जाती है।बैक्टीरिया, वायरस,परजीवी,रसायन और भारी धातुएं खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करके गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न कर सकते हैं। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां सड़क किनारे खाद्य विक्रेताओं से लेकर बड़े रेस्तरां और खाद्य उद्योग तक करोड़ों लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराते हैं। साथियों, वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो अखबारों में उपयोग की जाने वाली मुद्रण स्याही भोजन के संपर्क में आने के लिए नहीं बनाई जाती। समाचार पत्रों को छापने में विभिन्न प्रकार के रसायनों, पिगमेंट, सॉल्वेंट, बाइंडर और भारी धातुओं का उपयोग किया जाता है। इनमें सीसा (लेड), कैडमियम और अन्य रासायनिक तत्व शामिल हो सकते हैं। जब गर्म, तैलीय या नमी युक्त खाद्य पदार्थ सीधे अखबार के संपर्क में आते हैं, तो इन रसायनों के भोजन में स्थानांतरित होने की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि खाद्य वैज्ञानिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से अखबार में भोजन परोसने का विरोध करते रहे हैं।सीसा जैसे भारी धातु मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक माने जाते हैं। इनके लंबे समय तक सेवन से तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क, यकृत, गुर्दे और रक्त निर्माण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बच्चों में सीसा विषाक्तता का प्रभाव और भी गंभीर होता है क्योंकि इससे उनकी मानसिक एवं शारीरिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है।गर्भवती महिलाओं में भी ऐसे रसायनों का प्रभाव भ्रूण के विकास पर पड़ सकता है। इसलिए, खाद्य सुरक्षा केवल तत्काल बीमारी से बचाव का विषय नहीं है बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य संरक्षण का भी मुद्दा है।

साथियों, अखबार से जुड़ा दूसरा बड़ा खतरा स्वच्छता का है। अखबार छपाई के बाद विभिन्न स्थानों से होकर गुजरते हैं। उन्हें गोदामों में रखा जाता है, परिवहन के दौरान अनेक लोगों द्वारा छुआ जाता है और वितरण के दौरान विभिन्न प्रकार की धूल, गंदगी तथा रोगाणुओं के संपर्क में आते हैं। कई बार अखबार जमीन पर रखे जाते हैं या अस्वच्छ वातावरण में संग्रहित होते हैं। ऐसे में उन पर बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीव मौजूद हो सकते हैं। यदि इन्हीं अखबारों में भोजन लपेटा जाता है तो ये रोगाणु भोजन तक पहुंच सकते हैं और उपभोक्ताओं को बीमार कर सकते हैं। साथियों, विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि खाद्य जनित रोग विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हैं।साल्मोनेला, ई- कोलाई, लिस्टेरिया और नोरोवायरस जैसे रोगजनक सूक्ष्मजीव दूषित भोजन के माध्यम से फैल सकते हैं। इनके कारण दस्त, उल्टी, पेट दर्द, बुखार और गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने तक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। इसलिए भोजन की तैयारी, भंडारण, परिवहन और परोसने की प्रत्येक प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है।एफएसएसएआई ने अपनी चेतावनी में यह भी स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) नियम, 2018 के अंतर्गत अखबार या अन्य गैर- अनुमोदित सामग्री में भोजन रखने,लपेटने या परोसने की अनुमति नहीं है। यह नियम केवल औपचारिकता नहीं बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सुरक्षा के सिद्धांतों पर आधारित है। पैकेजिंग सामग्री को खाद्य-ग्रेड होना चाहिए ताकि वह भोजन के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया न करे और उसमें कोई हानिकारक तत्व न छोड़े। यही कारण है कि विकसित देशों में खाद्य पैकेजिंग के लिए अत्यंत कठोर मानक लागू किए जाते हैं। साथियों, भारत में खाद्य व्यवसायों का दायरा अत्यंत व्यापक है। इसमें सड़क किनारे के विक्रेता, छोटे रेस्तरां, होटल, कैटरिंग सेवाएं, क्लाउड किचन, क्विक सर्विस रेस्तरां, हॉकर और मोबाइल फूड वेंडर शामिल हैं। एफएसएसएआई की सलाह इन सभी पर समान रूप से लागू होती है। यह संदेश स्पष्ट है कि चाहे व्यवसाय छोटा हो या बड़ा, उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है। आर्थिक सुविधा या पारंपरिक आदतों के नाम पर स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जा सकता।खाद्य सुरक्षा का विषय केवल नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है उपभोक्ताओं की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि ग्राहक स्वयं अखबार में पैक भोजन लेने से इंकार करें और सुरक्षित पैकेजिंग की मांग करें, तो बाजार में सकारात्मक परिवर्तन तेजी से आ सकता है। उपभोक्ता जागरूकता अक्सर कानूनों से अधिक प्रभावी साबित होती है क्योंकि बाजार अंततः उपभोक्ता की मांग के अनुसार स्वयं को ढालता है।वता दें,आज विश्व भर में टिकाऊ और सुरक्षित पैकेजिंगसमाधानों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को देखते हुए जैव-अवक्रमणीय पर्यावरण-अनुकूल और खाद्य- ग्रेड पैकेजिंग सामग्री विकसित की जा रही है। भारत भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बायो-बेस्ड पैकेजिंग, खाद्य- ग्रेड पेपर,बांस आधारित सामग्री और अन्य नवीन विकल्प खाद्य उद्योग में लोकप्रिय हो रहे हैं। इनका उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं बल्कि उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य सुरक्षा भी है। साथियों, हाल के वर्षों में खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत का दृष्टिकोण अधिक सख्त और वैज्ञानिक हुआ है। एफएसएसएआई नियमित रूप से निरीक्षण, परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहा है। मई महीने में एक वायरल वीडियो के बाद ट्रेन संख्या 12223 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-एर्नाकुलम दुरंतो एक्सप्रेस में बर्तनों की अस्वच्छ हैंडलिंग के आरोपों पर आईआरसीटीसी को कानूनी नोटिस जारी किया जाना इसी दिशा में उठाया गया कदम था। (-संकलनकर्ता लेखक - क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

कांतिलाल मांडोत

भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्ग य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं। सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है। सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है।

लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है। भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।

महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।

वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है। आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि सोमवती अमावस्या भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह श्रद्धा, विश्वास, भक्ति, दान और पितृ सम्मान का अनुपम संगम है। लोकजीवन में इसकी गहरी पैठ है और करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द, प्रकृति संरक्षण और मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण सोमवती अमावस्या वास्तव में भारतीय लोकजीवन के उल्लास, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।

(L 103 जलवंत टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो। 99749 40424 साहित्ययकार-स्तम्भकार)

भारतीय खेल विरासत की अनमोल धरोहर है मल्लखंभ

कुमार कृष्णन

विश्व मल्लखंब दिवस हर साल 15 जून को मनाया जाता है। यह दिन भारत के प्राचीन पारंपरिक खेल, मल्लखंभ को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

मल्लखंभ भारत की प्राचीनतम और सबसे कठिन शारीरिक कलाओं में से एक है।भारत के सबसे प्राचीन पारंपरिक खेलों में से मल्लखंभ ताकत, लचीलापन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का अनोखा संगम है। इस कला में खिलाड़ी हवा में योग और जिम्नास्टिक के करतब एक ऊर्ध्वाधर खंभे या लटकी हुई रस्सी पर दिखाते हैं। यह योग के विभिन्न आसनों का ही एक उन्नत और अधिक चुनौतीपूर्ण रूप है।मल्लखंभ में भी खंभे या रस्सी पर टिके रहने के लिए चरम स्तर की एकाग्रता, सांसों पर नियंत्रण और जागरूकता की आवश्यकता होती है, जो कि योग और मानसिक अनुशासन का ही हिस्सा है। जिस प्रकार योग में प्राणायाम और सांस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। मल्लखंभ में भी मुश्किल करतब करते समय सांस पर नियंत्रण बनाए रखना अनिवार्य होता है, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे।

विडंबना यह है कि अपनी शानदार विरासत और विदेशी मंचों पर मिली प्रशंसा के बावजूद, इसे अपने ही देश में लंबे समय तक घोर उपेक्षा का सामना करना पड़ा है।जबकि भारत में इसे वह मुकाम नहीं मिला, विदेशों में इसे भारी सम्मान मिल रहा है। जर्मनी, अमेरिका, जापान, और चेक गणराज्य सहित दुनिया के 26 से अधिक देशों में मल्लखंभ खेला जा रहा है। यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे पहचान दिलाने के लिए मल्लखंभ वर्ल्ड चैंपियनशिपभी आयोजित की जा चुकी है। भारत में मल्लखंभ एक ज़माने से खेला जाता रहा है लेकिन वक़्त के साथ-साथ चीज़ें तेज़ी से बदल रही हैं।मल्लखंभ के बारे में प्राचीन भारतीय ग्रंथ रामायण में वर्णन है। पहला प्रत्यक्ष वर्णन बारहवीं शताब्दी की शुरूआत में मानसोलस नामक पाठ में है। इसे चालुक्य राजा सोमेश्वर तृतीय द्वारा लिखा गया। भारत के बौद्ध चीनी तीर्थ यात्रियों के किताबों में भी इसका उल्लेख है। इसके अतिरिक्त चंद्रकेतुगढ़ के मिट्टी के वर्तनों में पाए गए हैं, जो एक शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। 12वीं सदी में भारत में मल्लखंभ की शुरुआत हुई थी। 1600 के दशक के अंत से लेकर 1800 दशक के शुरूआत तक गतिविधि निष्क्रिय रही। पेशवा बाजीराव द्वितीय ने इसे लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई।दादा बालमधर देवधर मल्लखंभ के आद्य गुरु माने जाते हैं। वे बाजीराव पेशवा के दरबार में एक जाने-माने कुश्तीगीर और कसरतपटू थे। दादा बालमधर देवधर,पेशवा बाजीराव द्वितीय ने अपनी पेशवा सेना को प्रशिक्षित करने में कला को पुनर्जीवित किया।

बालमभट्ट दादा देवधर को 19वीं सदी में इसके पुनरुद्धार और इसे एक लोकप्रिय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण के रूप में स्थापित करने का श्रेय जाता है।किंवदंती है कि उन्हें यह विद्या भगवान हनुमान से मिली, जब उन्होंने जंगलों में बंदरों के फुर्तीले और लचीले करतबों को देखकर अभ्यास किया। बालमभट्ट ने इसी खंभे पर अभ्यास करके हैदराबाद के निजाम के दिग्गज पहलवानों (गुलाम और अली) को हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी।मराठा साम्राज्य की एक प्रमुख योद्धा झाँसी की रानी, ने अपने बचपन में नाना साहब और तात्या टोपे के साथ मिलकर बालम्भट्टा से मल्लखंभ की शिक्षा ली।

मुख्य रूप से तीन प्रकार के मल्लखंभ खेले जाते हैं— पहला पोल मल्लखंभ है ,जो पारंपरिक रूप है, जिसमें जमीन पर गड़े 2.6 मीटर ऊंचे लकड़ी के खंभे का इस्तेमाल होता है। दूसरा रोप मल्लखंभ,इसमें खिलाड़ी एक लटकी हुई रस्सी के सहारे शारीरिक संतुलन और कलाबाजियां दिखाते हैं और तीसरा हैंगिंग यानी झुलता मल्लखंभ जमीन से थोड़ा ऊपर लटका हुआ खंभा, जो चारों तरफ घूम सकता है। भारत के इस प्राचीन खेल मल्लखंभ ने पहली बार बर्लिन 1936 के ओलंपिक के दौरान पूरी दुनिया का घ्यान आकृष्ट किया। उस समय मल्लखंभ कबड्डी सहित था।कई स्वदेशी भारतीय खेलों में एक था, जिसे ओलंपिक शुरू होने से पहले बर्लिन में प्रदर्शित किया गया था। इन खेलों में स्थानीय लोगों के साथ—साथ अंतर्राष्ट्रीय समुदायों ने हिस्सा लिया था। तब से यह खेल पूरी दुनिया में फैल गया। साल 2019 में मुंबई में पहली बार मल्लखंब विश्व चैम्पियनशिप आयोजित की गई, जिसमें 17 राष्ट्र खेल में भाग लेने के लिए आए थे। इस आयोजन को याद करते हुए, दीपक ने कहा कि वह विदेश में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखकर खुश हैं।विश्व चैंपियनशिप में न केवल एशियाई देशों से बल्कि यूरोपीय देशों के भी एथलीट थे। कुछ देशों ने हमें इटली और जापान सहित अच्छी प्रतिस्पर्धा दी, जो देखने में बहुत अच्छा था क्योंकि यह इंगित करता है कि खेल दुनिया भर में फैल रहा है।मुझे बहुत गर्व की अनुभूति हुई जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने मन की बात पर मल्लखंब के बारे में बात की और मल्लखंभ उपकरण के संबंध में अमरीका और जापान को भारत सरकार की सहायता की चर्चा की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी, मल्लखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया और केन्द्री य खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने खेल को सार्वभौमिक मान्यता दिलाने में मदद की है। भारत के कई इलाकों में मल्लखंभ खेल काफी लोकप्रिय है।पुणे, मुंबई, और अमरावती (यहाँ का हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल) मल्लखंभ के ऐतिहासिक और प्रमुख केंद्र हैं। मध्य प्रदेश मल्लखंभ का सबसे बड़ा गढ़ है। मध्य प्रदेश सरकार ने 2013 में इसे अपना राज्य खेल भी घोषित किया था। उज्जैन को इस खेल का मुख्य केंद्र या तीर्थ माना जाता है, जहाँ इसकी राष्ट्रीय स्तर की अकादमियां स्थित हैं। इसके अलावा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल में भी यह बेहद लोकप्रिय है।

बिहार के भागलपुर स्थित श्री मारवाड़ी व्यायामशाला भागलपुर ने भारत की प्राचीन स्वदेशी खेल कला—मल्लखंभ को सहेजने और उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में ऐतिहासिक और अग्रणी भूमिका निभाई है।मल्लखंभ के क्षेत्र राष्ट्रीय फलक पर बिहार को स्थापित करने में भागलपुर के मारबाड़ी व्यायामशाला के प्रशिक्षक हृदय नारायण ठाकुर, विश्वनाथ प्रसाद यादव और योगिराज हरिदेव प्रसाद ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन गुरूओं के अथक परिश्रम का ही नतीजा था कि पहले भागलपुर विश्वविद्यालय और बाद में नाम परिवर्तन के बाद तिलकामांझी भागलपुर विश्विद्यालय का देशभर में दबदबा रह चुका है। दो दशक पूर्व में ऑल इंडिया विवि स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भागलपुर विश्वविद्यालय के खिलाड़ी पवन कुमार पोद्दार, जगदीश प्रसाद शर्मा, बनबारी लाल वर्मा, रघुनंदन भिवानीवाला, मदनमोहन शर्मा, विजय कुमार बाजोरिया और ज्ञान प्रकाश सिन्हा ने पदक जीत कर विवि की देश भर में पहचान बनायी थी। इसके बाद शंकर कुमार कर्ण,रमण कर्ण इस विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कानपुर में 2002 में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व किया।इस खेल के लिए खिलाड़ी आगे नहीं नतीजतन मलखंब खेल पूरी तरह विवि में बंद हो गया। हाल के वर्षों में राज्य सरकार बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज (मशाल प्रतियोगिता) के जरिए जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को सामने ला रही है, जिससे बिहार का राष्ट्रीय फलक पर प्रतिनिधित्व बढ़ा है। वहीं झारखंड में मल्लखंभ को लोकप्रिय बनाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में राज्य के खिलाड़ियों, कोचों और झारखंड राज्य मल्लखंभ एसोसिएशन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। झारखंड में इस प्राचीन कला को जीवित रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में झारखंड राज्य मल्लखंभ एसोसिएशन के महासचिव डॉ. अजय झा की अहम भूमिका है। वे बिना किसी फीस के बच्चों को इसका प्रशिक्षण दे रहे हैं। राज्य में मल्लखंभ को बढ़ावा देने के लिए झारखंड राज्य स्तरीय मल्लखंभ प्रतियोगिता का नियमित आयोजन किया जाता है, जहाँ सब-जूनियर से लेकर सीनियर वर्ग तक के खिलाड़ी अपना दम-खम दिखाते हैं।हजारीबाग में भारतीय पारंपरिक खेल मल्लखंभ को बढ़ावा देने और छात्रों को इससे जोड़ने के लिए विशेष कार्यशालाओं और प्रदर्शनों का आयोजन किया जा चुका है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय , हजारीबाग में फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत मल्लखंभ पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई थी।इस दौरान मल्लखंभ के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित उदय देशपांडे के नेतृत्व में छात्रों और बीएसएफ के जवानों को इस प्राचीन खेल का प्रशिक्षण और प्रदर्शन दिखाया गया था।2024 में पद्म श्री से सम्मानित देशपांडे कहते हैं, मल्लखंब में शरीर ही आपका साधन होता है।

मेष राशिः सुबह किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने का मन होगा, हालांकि हालात ऐसे बनेंगे कि आपको थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा। कई बार जो काम तुरंत पूरे होते नहीं दिखते, वही बाद में आसानी से निपट जाते हैं। इसलिए किसी बात को लेकर बेवजह तनाव लेने से बचें। कामकाज के बीच किसी पुराने व्यक्ति से संपर्क हो सकता है। यह बातचीत भले ही छोटी हो, लेकिन आपको किसी जरूरी बात की याद दिला सकती है। शुभ अंकः 5

वृषभ राशिः आज का दिन कुछ ऐसे बीत सकता है कि शाम तक आपको लगेगा, "अच्छा हुआ मैंने जल्दबाज़ी नहीं की।" सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझा रह सकता है। कोई फैसला लेना हो या किसी व्यक्ति की बात समझनी हो, आपको लगेगा कि अभी पूरी तस्वीर साफ नहीं है। ऐसे में खुद पर दबाव डालने की बजाय थोड़ा समय देना बेहतर रहेगा। शुभ अंकः 6

मिथुन राशिः आज आपका मन एक जगह टिकने के मूड में नहीं रहेगा। सुबह से ही कई बातें एक साथ दिमाग में चलती रह सकती हैं। किसी से बात करते-करते अचानक किसी और काम की याद आ जाएगी, तो कभी कोई पुराना विचार फिर से मन में घूमने लगेगा। ऐसे में जरूरी कामों की सूची बनाकर चलना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कामकाज के मामले में दिन ठीक रहेगा। शुभ अंकः 5

कर्क राशिः आज आप बाहर से जितने शांत दिखेंगे, अंदर उतनी ही बातें चल रही होंगी। सुबह किसी पुरानी घटना, व्यक्ति या बातचीत की याद अचानक मन में आ सकती है। कुछ समय के लिए आप अपने ही विचारों में खोए रह सकते हैं। हालांकि दिन आगे बढ़ने के साथ आपका ध्यान फिर से वर्तमान कामों पर आ जाएगा। कामकाज में आज जल्दबाजी करने से बचें। कोई छोटी-सी गलती दोबारा मेहनत करवा सकती है। शुभ अंकः 2

सिंह राशिः आज का दिन उन दिनों में से हो सकता है जब लोग आपकी ओर किसी न किसी वजह से ध्यान दें। सुबह से ही कई छोटे-छोटे काम एक साथ सामने आ सकते हैं, लेकिन आप उन्हें संभालने की कोशिश करेंगे। किसी व्यक्ति की कही हुई बात आपको पहले थोड़ी अजीब लग सकती है, लेकिन बाद में महसूस होगा कि उसमें कुछ सच्चाई भी थी। शुभ अंकः 1

कन्या राशिः आज आप कई बातों को सामान्य से ज्यादा बारीकी से देख सकते हैं। कोई छोटा काम भी आपके लिए तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक आपको संतुष्टि न मिल जाए। सुबह किसी जरूरी काम को लेकर थोड़ी भागदौड़ हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। कार्यस्थल पर आज आपकी समझदारी काम आएगी। जहां दूसरे लोग जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं, वहीं आप ठहरकर सोचने की कोशिश करेंगे। शुभ अंकः 5

तुला राशिः आज हर बात को तुरंत तय कर लेना आपके लिए आसान नहीं होगा। मन किसी एक फैसले पर पहुंचने से पहले उसके कई पहलुओं को देखना चाहेगा। वैसे भी आप बिना सोचे-समझे कदम उठाने वालों में से नहीं हैं, इसलिए खुद को जल्दबाजी के लिए मजबूर न करें। शुभ अंकः 6

वृश्चिक राशिः आज आप कुछ बातों को अपने तक ही रखना पसंद करेंगे। हर विचार या योजना दूसरों के साथ साझा करने का मन नहीं होगा और यह बिल्कुल स्वाभाविक भी है। सुबह किसी पुराने काम या अधूरी जिम्मेदारी का ध्यान आ सकता है। जिस काम को आप बाद के लिए छोड़ते आ रहे थे, उसे पूरा करने का दबाव महसूस हो सकता है। शुभ अंकः 9

धनु राशिः आज आपका मन घर की चारदीवारी से ज्यादा नई चीजों और नए विचारों की ओर आकर्षित हो सकता है। सुबह किसी योजना को लेकर उत्साह रहेगा, लेकिन दिन बढ़ने के साथ कुछ बदलाव भी करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आपको शुरुआत में पसंद न आए, लेकिन बाद में समझ आएगा कि यही सही था। शुभ अंकः 3

मकर राशिः आज आप अपने आसपास की चीजों को सामान्य से ज्यादा गंभीरता से देख सकते हैं। कोई छोटी-सी बात भी आपके मन में देर तक चलती रह सकती है। सुबह किसी जिम्मेदारी को लेकर व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन आप धीरे-धीरे सब संभाल लेंगे। कामकाज में आज आपकी व्यवहारिक सोच सबसे बड़ी ताकत रहेगी। शुभ अंकः 8

कुंभ राशिः आज का दिन कुछ ऐसे अनुभव दे सकता है जो देखने में साधारण लगें, लेकिन उनका असर आपके मन पर देर तक बना रहे। सुबह किसी बात को लेकर आप अपना मन बदल सकते हैं। जिस काम को लेकर कल तक पूरा भरोसा था, आज उसी पर दोबारा विचार करने का मन हो सकता है। इसे असमंजस न समझें, बल्कि चीजों को अलग नजरिए से देखने की आपकी क्षमता कहें। शुभ अंकः 4

मीन राशिः शनिवार का दिन आपको थोड़ा धीमा चलने की सलाह दे रहा है। हर बात का जवाब तुरंत ढूंढने या हर समस्या को उसी समय सुलझाने की कोशिश करने के बजाय आज परिस्थितियों को जैसा है, वैसा देखने का मन करेगा। दिलचस्प बात यह है कि इसी तरीके से कई उलझनें खुद-ब-खुद आसान लगने लगेंगी। सुबह किसी पुराने परिचित, रिश्तेदार या मित्र से जुड़ी कोई खबर मिल सकती है। शुभ अंकः 7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फीफा विश्वकप 2026 : नेमार के बिना फीकी पड़ी ब्राजील की चमक, मोरक्को ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एजेंसी, न्यूजर्सी

पांच बार की विजेता रही ब्राजील की टीम को फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में ही मोरक्को की टीम ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैच में ब्राजीत को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली। नेमार के नहीं होने से इस रोमांचक मुकाबले में ब्राजील की टीम की चमक पहले जैसी नहीं दिखी। मोरक्को ने उन्हें 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से ब्राजील का विश्व कप अभियान शुरुआत में ही कमजोर साबित हो गया है। टीम ने टूर्नामेंट में कदम रखते हुए जीत का सपना देखा था जिस पर अब सवाल उठने लगे हैं। मैच की शुरुआत में ही मोरक्को ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच के 21वें मिनट में ही इस्माइल सैबारी ने शानदार गोल कर मोरक्को को बढ़त दिला दी। इस शुरुआती झटके से ब्राजील पर दबाव बढ़ गया पर विनीसियस जूनियर ने 32 वें मिनट में एक गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। यह विनीसियस का 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल था, और उनके इस गोल ने स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। दोनो ही टीमों ने इसके बाद गोल करने के कई प्रयास किये पर सफल नहीं रहीं। ब्राजील ने 2002 के बाद से ही कोई विश्व कप नहीं जीता है और इस बार वे बड़े उम्मीदों के साथ मैदान में उतरे हैं। यही कारण था किस्टेडियम में मौजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों ने मोरक्को के खिलाफ अपनी टीम की जीत के लिए नारे लगाये। प्रशंसक अपनी टीम से एक धमाकेदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे पर मोरक्को की मजबूत रक्षापंक्ति और जवाबी हमलों ने ब्राजील को दूसरे गोल का अवसर ही नहीं दिया और मुकाबला अंत में बराबरी पर रहा। इस मुकाबले में ब्राजील की टीम अपने स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर के बिना मैदान पर उतरी थी। नेमार दाहिने पैर की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति टीम के आक्रमण पर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। टीम को मिडफ़ील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच वह रचनात्मकता और जादू की कमी महसूस हुई, जो नेमार आमतौर पर प्रदान करते हैं। अब ब्राजील को अपने अगले ग्रुप मैचों में प्रदर्शन सुधारना होगा जिससे वे विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर सकें। ब्राजील ने भले ही मोरक्को पर जीत हासिल न की हो, लेकिन उसने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस ड्रॉ के साथ ब्राजील ने 1934 के बाद से विश्व कप के अपने पहले मैच में कभी न हारने के 92 साल पुराने अजेय क्रम को बरकरार रखा है। अब यह सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया है, जिसमें 17 जीत भी शामिल हैं। मैच भले ही ड्रॉ रहा हो, लेकिन ब्राजील के खिलाड़ी और कोच दोनों ही टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं दिखे। विनीसियस जूनियर ने खुद स्वीकार किया, हमारी शुरुआत बहुत खराब रही। हमें निश्चित रूप से गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखना होगा और आगे बेहतर खेल दिखाना होगा।

अमेरिका को पहले ही मैच में जीत दिलाने वाले बालोगुन को मिला था दो अन्य देशों से खेलने का प्रस्ताव

एजेंसी, न्यूयार्क

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका को पराग्वे के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाने वाले फोलारिन बालोगुन नाइजीरियाई मूल के हैं और उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही पिता को देश तक छोड़ना पड़ा था। एक समय पर उन्हें इंग्लैंड और नाइजीरिया दोनों देशों से खेलने का प्रस्ताव मिला था पर , फोलारिन ने अमेरिका से खेलने का फैसला किया था। इस फुटबॉर का जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके में नाइजीरियाई माता-पिता के घर हुआ था। उनके पैदा होने के महज़ एक महीने बाद ही उनका परिवार इंग्लैंड चला गया, जहां वे लंदन में पले-बढ़े। उन्होंने आठ साल की छोटी उम्र में ही प्रतिष्ठित आर्सेनल अकादमी में दाखिला ले लिया, जिसने उनके फुटबॉल करियर की नींव रखी। युवा स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन साथ ही अमेरिका की अंडर-18 टीम के लिए भी खेलते रहे, जिससे तीनों देशों से उनके जुड़ाव का संकेत मिला।

फोलारिन के पास अमेरिका के अलावा, अपने माता-पिता के मूल देश नाइजीरिया और अपने पालन-पोषण वाले देश इंग्लैंड की तरफ से खेलने का भी अवसर था पर उन्होंने समझदारी भरा फैसला लेते हुए अमेरिका को चुना क्योंकि वह जानने थे कि इंग्लैंड की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, ऐसे में वहां राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाना एक बड़ी चुनौती होती, जबकि नाइजीरिया फुटबॉल में काफी पीछे है। उसकी टीम इस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में भी असफल रही है। ऐसे में इस फुटबॉलर न का अमेरिका के लिए खेलने का फैसला न केवल उनके लिए बल्कि अमेरिकी फुटबॉल के लिए भी लाभदायक साबित हुआ है। पराग्वे के खिलाफ हुए धमाकेदार मुकाबले में बालोगुन ने दो शानदार गोल दागकर अपनी उपयोगिता साबित की। इस प्रदर्शन से वह 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गये।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव : डेल स्टेन

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का 'बॉय वंडर' और एक अनमोल खजाना है।' स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा था।

स्टेन ने यहां तक कहा , 'जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।'

इस साल के अंत में शुरु होने जा रही अफगानिस्तान प्रीमियर लीग

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भी अब उभरते हुए क्रिकेटरों को आगे आने का मंच देने लिए प्रीमियर लीग शुरु कर रहा है। एसीबी के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) का पहला सत्र 27 दिसंबर 2026 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग से अफगानिस्तान क्रिकेट का तेजी से विकास होगा और बेहतर प्रतिभाएं सामने आयेंगे। अभी उसके खिलाड़ी अन्य देशों की लग में खेलते हैं। प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट यूएई के बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में खेला जाएगा और इसमें अफगानिस्तान के पांच प्रमुख क्रिकेट क्षेत्रों, जिनमें काबुल, कंधार, बल्ख, पकतिया और नंगरहार शामिल हैं, की पांच फ्रैंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों के जरिये से देश के विभिन्न हिस्सों की प्रतिभाओं को एक मंच पर आने का मौका मिलेगा। इस लीग की शुरुआत ऐसे समय में हो रही है जब पिछले एक दशक में अफगान क्रिकेट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय टीम ने खुद को वैश्विक क्रिकेट मंच पर एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है, और इसके कई खिलाड़ी दुनिया भर की प्रमुख टी20 लीगों में लोकप्रिय चेहरे बन गए हैं, जिससे उनकी वैश्विक पहचान बढ़ी है।

द्रविड़ के बेटे अन्वय श्रीलंका दौरे में अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे

एजेंसी, मुम्बई

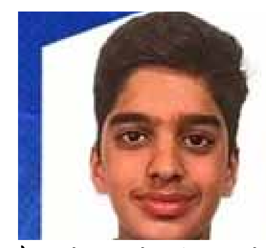

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ अब श्रीलंका दौरे में भारत की अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे। 4 जुलाई से शुरू होने वाली इस सीरीज में उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिला है। इस दौरे पर खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय और दो मल्टी-डे मैचों के लिए टीमों की घोषणा कर दी गयी है। इस दौरे में यशवर्धन सिंह चौहान को दोनों ही प्रारूपों में टीम की कप्तानी दी गयी है। 17 साल के अन्वय को व्हाइट-गेंद एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। इसमें वह विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का एक अहम अवसर होगा। अन्वय इससे पहले भी भारत की अंडर-19 टीम में शामिल रहे हैं, जहाँ इंडिया ब्लू टीम के लिए ट्राई-सीरीज में उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला था। उनकी कम उम्र को देखते हुए, चयनकर्ताओं ने उन्हें अगले साइकल के लिए संभावित दावेदार के रूप में हमेशा देखा था। अब, एक नए चक्र की शुरुआत के साथ, अन्वय को श्रीलंका दौरे के लिए चुनना उनकी निरंतर प्रगति और प्रदर्शन का प्रमाण है।

बिजनेस

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 15 जून से शुरू करेगी कमर्शियल उड़ानें, इंडिगो की होगी पहली फ्लाइट

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 15 जून से जेवर में स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें शुरू करेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू सोमवार को पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से 15 जून को कमर्शियल उड़ानें शुरू होंगी। इंडिगो पहली फ्लाइट ऑपरेट करेगी। एयरलाइन की पहली उड़ान लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट के लिए होगी, जो लखनऊ से सुबह 7:05 बजे उड़ेगी और 8:05 बजे नोएडा पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में बना यह एयरपोर्ट अब दिल्ली-एनसीआर का दूसरा इंटरनेशनल गेटवे बन जाएगा। इंडिगो एयरलाइन की पहली कमर्शियल उड़ान लखनऊ से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए चलेगी, यह सुबह 7:05 बजे रवाना होगी और सुबह 8:05 बजे पहुंचेगी। 16 जून से बेंगलुरु के लिए उड़ानें शुरू होंगी। इसके बाद जुलाई 2026 से नवी मुंबई, भोपाल, देहरादून, जोधपुर और बरेली के लिए सर्विस शुरू की जाएगी।

इंडिगो सबसे पहले अपनी सेवाएं शुरू करेगी और उसके बाद के चरणों में आकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी, जिससे प्रमुख घरेलू रूटों पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। आने वाले हफ्तों में एयरपोर्ट 16 से ज्यादा घरेलू रूट जोड़ेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च को किया था। इस एयरपोर्ट को यात्रियों की सुविधा और टेक्नोलॉजी पर खास ध्यान देते हुए डिजाइन किया गया है। यहां मिलने वाली सुविधाओं में सेल्फ-चेक-इन कियोस्क, डिजीयात्रा सिस्टम के तहत बायोमेट्रिक बोर्डिंग, ऑटोमेटेड बैगेज ड्रॉप काउंटर और ज्यादातर पेपरलेस ट्रैवल प्रोसेस शामिल हैं, जिनका मकसद भीड़ और इंतज़ार के समय को कम करना है। रणनीतिक रूप से सही जगह पर स्थित यह एयरपोर्ट नोएडा से लगभग 40 किमी, ग्रेटर नोएडा से 28 किमी और नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लगभग 72 किमी दूर है। इस लोकेशन की वजह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर इलाके के लाखों यात्रियों का यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है।

लॉटरी जीती तो बना करोड़पति फिर कानून आ गया आड़े

एजेंसी, रोम। इटली में रहने वाले 36 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक इमेग्वे एहिजोम्वेंगी की कहानी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। एक लॉटरी टिकट ने उन्हें करोड़पति बना दिया, लेकिन कानूनी दस्तावेजों की कमी के कारण वह अपनी जीती हुई रकम तक नहीं पहुंच पा रहे थे। कई महीनों के संघर्ष के बाद अब उन्हें इटली का रेजिडेंस परमिट मिल गया है, जिसे वह लॉटरी की रकम से भी अधिक मूल्यवान मानते हैं। इमेग्वे वर्ष 2016 में नाइजीरिया से इटली पहुंचे थे। उनका सफर बेहद कठिन रहा। लीबिया के रास्ते यूरोप पहुंचने के दौरान उन्हें दो वर्षों तक बंधक बनाकर रखा गया था और फिरौती के बाद रिहाई मिली थी। इटली पहुंचने के बाद भी उनके सामने रोजी-रोटी का संकट बना रहा। वह ट्यूरिन शहर में एक सुपरमार्केट के बाहर रुमाल बेचकर और कभी-कभी भीख मांगकर अपना गुजारा करते थे। पिछले वर्ष अक्टूबर में उन्होंने 5 यूरो का एक स्क्रैचकार्ड लॉटरी टिकट खरीदा। किस्मत ने ऐसा पलटा खाया कि टिकट पर 5 लाख यूरो यानी लगभग 5.5 करोड़ रुपये का जैकपॉट निकल आया।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों की निगाहों में रहेगी।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

- महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

टॉप 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल भी फायदे में, टीसीएस और एलआईसी को नुकसान

एजेंसी, नई दिल्ली

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी से शीर्ष 10 में से आठ मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 56,223 करोड़ रुपये बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये रहा, वहीं भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन भी 36,137 करोड़ रुपये बढ़कर 9.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 13,296 करोड़ रुपये घटकर 7.82 लाख करोड़ रुपये रह गया, और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 822 करोड़ रुपये घटकर 5.05 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शामिल रहे।

फिल्म

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं: शीना चौहान

अपकमिंग फिल्म अर्जुनैन अल्लिरानी में 'रानी का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को खाली पन्ने की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे। शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

सोशल मीडिया के दबाव पर छलका कृति खरबंदा का दर्द, बोलीं- खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे युवा

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया के कारण युवाओं पर बढ़ रहे मानसिक और भावनात्मक दबाव को लेकर चिंता जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात कुछ ऐसे युवाओं से हुई, जो इस डिजिटल दुनिया के दबाव में बुरी तरह फंसे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, आज मैं कुछ लोगों से मिली। वे सभी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह थके हुए थे। काम बहुत मुश्किल और अनिश्चित भरा था। वे सभी सोशल मीडिया पर मौजूद रहने और उसे बनाए रखने के दबाव के बारे में शिकायत कर रहे थे। उन सभी लोगों के मन में बड़े-बड़े सपने हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा भी, लेकिन सोशल मीडिया इसमें रुकावट बनता रहता है। इस बीच, मैंने एक बात महसूस की कि उन सभी में एक बात समान थी कि वे इंटरनेट पर लगातार एक्टिव रहने और खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे हुए थे। अभिनेत्री ने आगे लिखा, युवा लगातार दूसरों से अपनी तुलना कर रहे हैं। वे न चाहते हुए भी बस कुछ न कुछ पोस्ट करने के दबाव में जी रहे हैं। इनमें से कई लोग अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें डर था कि ऐसा करने से वे दूसरों की नजरों से कम आकर्षक लगने लगेंगे। इस बात पर दुख जताते हुए कृति ने लिखा, यह देखकर मेरा दिल बैठ गया। काश लोग समझ पाते कि सोशल मीडिया जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। अगर सोशल मीडिया न भी हो, तब भी एक खूबसूरत और सुकूनभरी जिंदगी जी जा सकती है। कृति ने युवाओं से अपनी मानसिक शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लिखा, हमें अपनी निजी बातें शेयर न करने और लोगों को अपनी जिंदगी में शामिल न करने को पूरी तरह नॉर्मल मानना चाहिए। किसी भी इंसान की कीमत उसके सोशल मीडिया एकाउंट से तय नहीं होनी चाहिए। मुझे पता है कि यह शायद शिकायत जैसा लग रहा है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बहुत से लोग ऐसा ही सोच रहे हैं।

अभिनेत्री जयपुर में कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत जयपुर पहुंचीं, जहां उनकी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग हुई। इस अवसर पर सीएम भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गड़ा, जनप्रतिनिधि, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग और बड़ी संख्या में नर्सिंगकर्मी मौजूद थे। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद कंगना ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ द्वारा दिखाई गई बहादुरी को याद किया और कहा कि देश आज भी उन नायकों का ऋणी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंगना ने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल के नर्सिंगकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर कई मरीजों और गर्भवती महिलाओं की जान बचाई थी। इस अद्भुत साहस की कहानी को लेकर यह फिल्म बनी है। उस समय महाराष्ट्र सरकार ने इन जांबाज नर्सिंग स्टाफ को एक महीने का अतिरिक्त वेतन या इंक्रीमेंट देने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक उन्हें वह नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने इस घटना के बारे में विस्तार से जाना तो यही बात उन्हें सबसे ज्यादा परेशान कर गई। जब मैंने यह कहानी सुनी थी तो सबसे ज्यादा मुझे यही बात चुभी थी। आज तक उन बेचारों को वह इंक्रीमेंट तक नहीं मिला, जिसका उनसे वादा किया गया था। उस समय कांग्रेस की सरकार थी। कई बातें ऐसी थीं जिन्हें दबाने और अंडरप्ले करने की कोशिश की गई, लेकिन यह उन लोगों की कहानी है, जिन्होंने देश और मानवता के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की।

कंगना ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के कर्मयोगियों को भारत भाग्य विधाता कहा है और उसी भावना से प्रेरित होकर फिल्म का नाम रखा गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान किया है। कंगना ने जयपुर में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के सम्मान पर खुशी जताते हुए कहा कि समाज को ऐसे लोगों से प्रेरणा लेनी चाहिए। आज जयपुर के उन अदृश्य हीरोज का सम्मान किया गया जो बिना किसी पहचान, बिना किसी क्रेडिट और बिना किसी सराहना के देश की सेवा कर रहे हैं। हमें उनसे सीखना चाहिए कि कर्तव्य क्या होता है और राष्ट्र सेवा का असली अर्थ क्या है। कंगना ने उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए फिल्म को टैक्स फ्री करने का आग्रह भी किया।

है जवानी तो इश्क़ होना है की 8वें दिन भी घटी कमाई

लेकिन साल की टॉप 10 फिल्मों की लिस्ट में कर ली एंट्री, इक्कीस को दी मात

डेविड धवन निर्देशित और वरुण धवन स्टारर फ़िल्म है जवानी तो इश्क़ होना है इस 5 जून को सिनेमाघर में पहुंची थी. इसका क्लैश राम चरण की पेद्दी और बॉबी देओल की बंदर से हुआ था. फिर भी ये इंडियन बॉक्स ऑफ़िस पर ठीक परफॉर्म कर रही है और हर गुज़रते दिन के साथ छोटे-छोटे माइलस्टोन भी हासिल कर रही है. वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर यह फ़िल्म अब 2026 की आठवीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फ़िल्म बन गई है. चलिए यहां इसके 7वें दिन का कलेक्शन जान लेते हैं. आयुष्मान खुराना की पति पत्नी और वो दो, अनन्या पांडे की चांद मेरा दिल, बंदर और हाल ही में रिलीज़ हुई दूसरी फ़िल्मों की वजह से टिकट विंडो पर काफ़ी भीड़ है। लेकिन है जवानी तो इश्क़ होना है को रिलीज़ के समय से ही टिकटों पर 50त्न ऑफ़र का फ़ायदा मिल रहा है. हालांकि ये फिर भी बंपर कमाई नही कर रही है लेकिन इसने अपनी एक रफ्तार बरकार रखी हुई और इसी के साथ ये हर दिन करोड़ों में ही नोट बटोर रही है. वहीं ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, है जवानी तो इश्क होना है ने गुरुवार को भारत में 2.60 करोड़ (नेट) की कमाई की, जिससे इसकी कुल घरेलू कमाई 36.85 करोड़ हो गई है. फिल्म की ओपनिंग 7.50 करोड़ से हुई थी और शनिवार को भी इसने इतनी ही कमाई की. रविवार को इसकी कमाई में सुधार हुआ और इसने 9 करोड़ कमाए थे. वहीं सोमवार को उम्मीद के मुताबिक कमाई में गिरावट के बाद, है जवानी तो इश्क होना है ने 3.50 करोड़ कमाए. मंगलवार को इसमें थोड़ी बढ़ोतरी हुई और इसने 3.85 करोड़ कमाए, लेकिन बुधवार को कमाई फिर गिर गई और सिफ़र् 2.80 करोड़ ही आए वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 2026 की टॉप 10 सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फ़िल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. रिलीज के 7वें दिन इसने अगस्त्य नंदा की इक्कीस को पीछे छोड़ दिया, जिसने भारत में 36.25 करोड़ रुपये की नेट कमाई की थी. अब इसका अगला टारगेट कृष्णावतारम पार्ट 1 (38.36 करोड़ रुपये) से आगे निकलना है. हालांकि शुक्रवार से इसे नई रिलीज भारत भाग्य विधाता और मैं वापस आऊंगा से भी भिड़ना पड़ेगा.

हैंड ब्लेंडर से आप झटपट बना सकते हैं ये व्यंजन, स्वाद में होते हैं लाजवाब

हैंड ब्लेंडर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो आपके खाना पकाने के अनुभव को काफी आसान और मजेदार बना सकता है। यह उपकरण खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कम समय में स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाना चाहते हैं। आइए आज हम आपको ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप आसानी से हैंड ब्लेंडर से बना सकते हैं। ये जल्दी बन जाते हैं और सभी को पसंद भी आते हैं।

गर्मी के साथ-साथ आम का सीजन भी चल रहा है। इस दौरान आप लजीज आम रस का स्वाद चख सकते हैं, जो हैंड ब्लेंडर से आसानी से बन जाएगा। इसे बनाने के लिए पहले ताजा आम की गुठली अलग करें और उन्हें हैंड ब्लेंडर से पीस लें। अब इस मलाईदार मिश्रण में इलायची पाउडर, चीनी, पानी और अन्य मसाले डालकर इसे परोसें। इसे आप पूड़ी के साथ खा सकते हैं या ऐसे ही पी सकते हैं। पालक की चटनी एक सेहतमंद और स्वादिष्ट चटनी है, जिसे आप चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं। इसके लिए आपको ताजा पालक की पत्तियों, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और नींबू का रस चाहिए होंगी। सभी सामग्रियों को अपने हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी खाने का स्वाद बढ़ाएगी और सेहत के लिए भी फायदेमंद होगी। गर्मियों में आम का पन्ना एक बेहतरीन पेय है, जो आपको तरोताजा रखता है। इसके लिए कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकाल लें। फिर इसमें पुदीना, काला नमक, जीरा पाउडर और चीनी डालकर हैंड ब्लेंडर से मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। इसे ठंडा करके परोसें और बर्फ डालकर इसके स्वाद को और बढ़ा दें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपको गर्मी से भी राहत दे सकता है। मूंगफली की चटनी दक्षिण भारत के व्यंजनों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए भुनी हुई मूंगफली, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक चाहिए। सभी सामग्री को हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी इडली, डोसा या किसी भी स्नैक के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसका अनोखा स्वाद आपके खाने का मजा बढ़ा देगा और हर व्यंजन के साथ अच्छा लगेगा।

मोंटाना में परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रही फ्रीडा पिंटो

भारतीय अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो आजकल अमेरिका के खूबसूरत राज्य मोंटाना में अपने परिवार के साथ गर्मियों की छुट्टियों का लुत्फ उठा रही हैं। हॉलीवुड में अपने अभिनय के दम पर खास पहचान बनाने वाली फ्रीडा ने सोशल मीडिया पर इन पलों की कुछ मनमोहक तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके पति कोरी ट्रान और नन्हे बेटे रूमी-रे भी नजर आ रहे हैं।

कभी उनका परिवार खुले मैदानों में घूमता दिख रहा है, तो कभी झरने के पास या पहाड़ों की तलहटी में आरामदायक पल बिता रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय निकालकर अपने सबसे करीब लोगों के साथ समय बिताना उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मोंटाना में गर्मियों का असली जादू है। जीवन में कई बार ऐसा समय आता है जब इंसान को सिर्फ शांति, अपनापन और प्रकृति की जरूरत होती है। दोस्तों और परिवार के साथ बिताए गए ये पल दिल और आत्मा को नई ऊर्जा देने वाले रहे। उनके इस पोस्ट को देखकर यह साफ होता है कि एक सफल करियर के बावजूद, फ्रीडा अपने निजी जीवन में परिवार के साथ बिताए शांत पलों को कितना महत्व देती हैं। फ्रीडा पिंटो का नाम आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जाना-पहचाना चेहरा है, लेकिन उन्हें सबसे बड़ी पहचान साल 2008 में आई ऑस्कर विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर से मिली थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, बल्कि फ्रीडा को रातोंरात वैश्विक मंच पर एक चर्चित हस्ती बना दिया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम करती रहीं, अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाती रहीं। अपने करियर के दौरान, फ्रीडा ने कई अलग-अलग शैलियों की फिल्मों में काम किया है। उन्होंने मिरल, तृष्णा और डेजर्ट डांसर जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता, तो वहीं राइज ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स जैसी साइंस फिक्शन और इम्मोर्टल्स जैसी फैंटेसी एक्शन फिल्मों में भी अहम किरदार निभाए। इसके अलावा, लव सोनिया, हिलबिली एलेजी और मिस्टर मैल्कम्स लिस्ट जैसी फिल्मों में भी उनके काम को समीक्षकों ने सराहा। फिल्मों के साथ-साथ फ्रीडा ने छोटे पर्दे पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

70% drugs in Punjab coming from Gujarat; BJP sheltering Lawrence Bishnoi, says Kejriwal

New Delhi, Agency: AAP national convener Arvind Kejriwal on Saturday claimed 70 per cent of the drugs making their way to Punjab were coming from Gujarat.

He said Gujarat had become the gateway of drugs under the "ED Party" (as he called the BJP). He also referred to gangster Lawrence Bishnoi as "ED party ka damaad" (son-in-law of BJP), implying he was being sheltered by the Centre.

Kejriwal made these comments while addressing traders during the 'Sarkar-Vyapar Milni' in Jalandhar.

While referring tacitly to the SAD, BJP and Congress respectively, Kejriwal said the state had four parties - the Chitta Party (or the

Beadbi Party) i.e. SAD; ED Party (BJP); Jhagda Party (Congress) and the AAP.

Accusing the BJP of targeting traders in the state through the ED, he reiterated AAP was reaching out to address their problems.

Last year, the ED Party collected Rs 60 crore donation from Punjab. But AAP got only Rs 70 lakh donation. The government is ours. The BJP has only two seats. But ED Party received generous amounts from industrialists...how? Through the threat of ED raids. Whoever didn't give money was raided," claimed Kejriwal. He alleged, "The ED Party (BJP) and Chitta Party (SAD) alliance took drugs to people's homes in the state. But the AAP government is acting stringently against drugs and bulldozers are razing drug smugglers' properties." The AAP national convener alleged, "70 per cent drugs and 'chitta' coming to Punjab is from Gujarat. Gujarat has become the gateway of drugs under the ED Party. When the AAP formed the government in Punjab, 70 per cent of the drugs were coming from Pakistan and 30 per cent from Gujarat. We took decisive action and much of the drugs coming from Pakistan have been curbed with policing and anti-drone action."

To support his claims, Kejriwal cited the seizure of 3,000 kg drugs at the Mundra airport (worth Rs 21,000 crore) and a CAG report on 2,200 kg drugs being eaten by rats in Gujarat.

Tap water reaches 1.2 crore rural homes in UP as Jal Jeevan Mission nears completion

New Delhi, Agency: Uttar Pradesh has provided functional household tap connections (FHTCs) to over 1.2 crore rural households, achieving nearly 90 per cent coverage under the Jal Jeevan Mission (JJM), according to data from the ministry of jal shakti, as the scheme approaches its 2024 target of "Har Ghar Jal", piped water to every rural home.

Launched in August 2019, JJM aims to deliver potable water at 55 litres per capita per day to all rural households through individual tap connections, replacing the earlier system of shared standposts. The programme, with a combined central and state outlay exceeding Rs 3.6 lakh crore.

In UP, which has 1.3 crore rural households, the state's Jal Nigam (Rural) is the nodal implementing agency, executing the scheme across 822 blocks and over 59,000 Gram Panchayats. Officials said multi-village water supply schemes, connecting clusters of villages to shared treatment and pumping units, have driven rapid progress, particularly in the Terai region and eastern UP.

Each village under the scheme has a Paani Samiti, or Village Water and Sanitation committee, responsible for overseeing construction, collecting user charges for maintenance, and managing operations. A Jal Sahiyya, typically a woman from the village, conducts mandatory quarterly water quality testing at multiple points across the village to ensure compliance with Bureau of Indian Standards and World Health Organisation drinking water standards. The expansion of piped water access is expected to significantly ease the burden on women and girls in rural households, who have traditionally spent hours collecting water from distant sources, time that development researchers say could now be redirected toward education, work, and health.

'We are not like Hitler, should keep doors open': RSS chief Bhagwat backs Hosabale on Pakistan dialogue

New Delhi, Agency: Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) chief Mohan Bhagwat on Saturday supported the organisation's general secretary, Dattatreya Hosabale, over his remarks calling for talks with Pakistan, which had sparked a major controversy.

Bhagwat, whose organisation is the ideological mentor of the ruling Bharatiya Janata Party (BJP), stressed that the RSS has no independent foreign policy regarding any nation and follows the central government's stand on the neighbouring country.

"But there are a lot of people in Pakistan who believe the partition of Bharat was wrong and many journalists there praise the RSS and its work. There is a distinct undercurrent there of people being anti-Pakistan and against the two-nation theory and they

say living together was better," PTI quoted him as saying.

He was speaking at an event in Kerala's Thiruvananthapuram.

The Sangh chief further stated that since India is "not like Hitler," it needs to keep its doors open for talks with Pakistan.

"In a future war, if India defeats Pakistan beyond repair, the people there will have to be brought into the fold of Bharat or they should be able to live peacefully in that country itself.

"12 Years of Modi Govt Changed India's Destiny: Radha Mohan Singh"

By Sagar Suraj

AT BJP MEDIA INTERACTION IN MOTIHARI, MP RADHA MOHAN SINGH HIGHLIGHTS 12 YEARS OF NARENDRA MODI GOVERNMENT'S WELFARE, INFRASTRUCTURE AND NATIONAL SECURITY ACHIEVEMENTS

MOTIHARI: Former Union Agriculture Minister and Motihari MP Radha Mohan Singh on Friday said that the last 12 years under Prime Minister Narendra Modi's leadership have transformed not only the image of India but also its destiny, citing major achievements in welfare delivery, infrastructure development, agriculture, healthcare and national security. Addressing a media interaction organised at the BJP office in Gandhi Complex to mark the completion of 12 years of the Narendra Modi government, Singh said the continued electoral success of the BJP-led National Democratic Alliance (NDA) in 2014, 2019 and 2024 reflected the public's trust in the government's commitment to service and development.

"The government's priorities have always been the poor, farmers, youth and women," Singh said, recalling that Prime Minister Modi signed the PM-Kisan Samman Nidhi file immediately after taking oath, signalling the administration's focus on rural welfare. Highlighting flagship welfare programmes, the BJP leader said more than 58 crore Jan Dhan bank accounts had been opened across the country, including 32 crore accounts held by women. He added that 81 crore people have continued to receive free food grains since the Covid-19 pandemic, while the Ayushman Bharat scheme

has provided health coverage through 60 crore health cards. Singh also pointed to major gains in housing, sanitation and drinking water. According to him, over four crore families received permanent houses under the PM Awas Yojana, 11 crore women benefited from LPG connections under the Ujjwala scheme, and 16 crore households gained access to tap water through the Jal Jeevan Mission. On agriculture, he said PM-Kisan had transferred 4.3 lakh crore directly to more than 11 crore farmers, while the Kisan Credit Card limit was enhanced from 3 lakh to 5 lakh. He also highlighted tax relief measures for the middle class and women-centric initiatives such as Lakhpati Didi and Sukanya Samriddhi Yojana. The MP said India had witnessed rapid infrastructure growth, with rural roads, highways, railway electrification, metro rail networks and airports expanding significantly over the past decade. He further asserted that surgical strikes and air strikes demonstrated the country's stronger response to security challenges. Among those present were MLA Pramod Kumar, BJP district president Pawan Raj, Deputy Mayor Dr Lalbabu Prasad, media in-charge Gulrez Shahzad and IT Cell convener Rishabh Jha.

As India escalates, Rubio says blockade violations will not be tolerated:

New Delhi, Agency: Days before PM Narendra Modi's meeting with and President Donald Trump at the G7 summit in France, India and the US remained locked in a tense standoff over the attacks on vessels in the Gulf of Oman, with US signalling no relief for Indian mariners entangled in the US-Iran conflict. After having twice summoned the American envoy for US military strikes on foreign-flagged ships carrying Indian mariners, India further escalated the issue with the US as external affairs minister S Jaishankar reiter-

ated India's protest in a phone call with counterpart Marco Rubio. However, Rubio underscored in the conversation that violations of the US blockade and the illicit transport of Iranian oil will not be tolerated, confirming there'll be no exemption for Indian seafarers as US forces actively enforce the blockade of Iranian ports.

US forces have fired upon 3 vessels with Indian seafarers onboard in the past 6 days, accusing them of evading the US blockade of Iranian ports. A State Department readout also said that as they discussed the situation in the Strait of Hormuz, Rubio stressed that all commercial vessels should immediately comply with orders from US forces as they seek to "uphold peace and security in the Strait". This comes a day after India told the US charge d'affaires here, Jason Meeks, that use of lethal force against civilian shipping is unacceptable. These incidents have taken place ahead of a Trump-Modi meeting at the June 15-17 G7 summit in the Alpine resort town of Evian-les-Bains. The PM is likely to reiterate Indian concerns over the attacks on vessels with onboard Indian crew members. While the leaders have spoken on several occasions in the past 16 months, this would be their first in-person meeting since Modi's Washington visit in February last year, weeks after Trump assumed office.

Boyfriend kills Sikkim woman working as receptionist in Bengaluru

New Delhi, Agency: A 22-year-old woman from Sikkim was allegedly murdered by her boyfriend, who slit her throat with a kitchen knife following an argument at their rented accommodation in Bengaluru's Doddakanahalli area on Sunday morning, the police said.

The incident was reported within the limits of Bellandur police station in the city's south-eastern part and the man was arrested on Sunday.

The deceased has been identified as Ati Hangma Subba, 22, a native of Sikkim who was working as a receptionist at a salon in Bengaluru. The accused, identified as Purba Lepcha, a native of Darjeeling, was employed as a waiter at a

hotel, the police said.

According to police, the couple were in a relationship and had moved to Bengaluru about a month ago. They were living together in Doddakanahalli.

Preliminary investigation indicated that an argument broke out between the two on Thursday morning after the accused allegedly suspected the woman of being involved with another friend.

Not a sinking ship: Raut urges Cong reunion, asks Pawar to take lead

New Delhi, Agency: Shiv Sena (UBT) leader Sanjay Raut on Saturday pitched for a broader opposition regrouping, urging NCP (SP) chief Sharad Pawar to take the initiative in bringing together leaders who had left the Congress over the years, saying a stronger Congress was essential to challenge the BJP.

Amid continuing attacks on the Congress by the ruling BJP, Raut said opposition parties must close ranks if they intend to mount an effective political challenge. He argued that leaders who had split from the Congress and formed separate political outfits should consider returning to a common platform, adding that Pawar was best placed to facilitate such an exercise. Regional parties, including the Shiv Sena (UBT), would support

any move aimed at strengthening the opposition, he said.

Raut maintained that the Congress remained a significant political force despite recent electoral setbacks and dismissed suggestions that the party was in terminal decline. He said the BJP continued to view the Congress as its principal rival, indicating that the party still carried substantial political weight.

Demographic panel to visit metros, industrial & border areas to study population changes

New Delhi, Agency: A high-level committee on demographic changes, constituted recently under Justice (retd) Prakash Prabhakar Naolekar, will visit metropolitan areas and industrial towns, apart from border areas, as part of its assignment to examine the nature, causes and impact of demographic changes across the country, including due to illegal immigration. It will recommend policy, administrative and legal frameworks to address the issue in a time-bound manner.

Home minister Amit Shah Saturday chaired a meeting with senior MHA officials to review arrangements for proper facilita-

tion of the committee. The first meeting of the panel has already been convened and its agenda formulated. "MHA will provide logistical and other necessary support for proper functioning of the committee," a ministry official said. According to a source, many illegal immigrants, particularly Bangladesh, have over the years travelled further to metropolitan areas and towns with a heavy concentration of industries. The onward journey usually takes place after securing identity documents like Aadhaar cards from tout networks and illegal agents.

While notifying the panel last month, MHA had said demographic changes were visible in certain regions that were not attributable to normal fertility or mortality trends but emerging due to "external abnormal factors such as illegal immigration, irregular population mobility and administrative laxity". It added that the demographic changes, though concentrated in border regions, now also affect urban centres, industrial corridors, tribal regions and other socially and economically sensitive areas.